तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024
दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

2 पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन आज रखेंगी करवाचौथ का व्रत

खबर संक्षेप

आरएसएस का विजया दशमी उत्सव आज

कोरबा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नगर स्तर पर अपने 6 उत्सव के अंतर्गत विजयदशमी का प्रकट उत्सव 20 अक्टूबर को आयोजित किया गया है। बालको नगर के डॉ बीआर अंबेडकर स्टेडियम परिसर में दोपहर 2 बजे से यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। नगर कार्यवाह ने बताया कि नगरीय क्षेत्र के 11 सौ से अधिक स्वयंसेवक विजयादशमी के पथ संचलन में शामिल होंगे। वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार राहुल सेठिया मुख्य अतिथि होंगे। जबकि सामाजिक समरसता प्रांत प्रमुख कौशलेंद्र प्रताप सिंह मुख्य वक्ता होंगे। आयोजन संगठन ने नागरिकों से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

कोरबा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के तत्वावधान में शुक्रवार को मनजीत जांगड़े सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन बीकन विद्यालय एसईसीएल कोरबा में आयोजित किया गया। सिविल जज मनजीत जांगड़े ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध , पोक्सो एक्ट, संविधान सिविल मामले, चेक बाउंस, शिक्षा का अधिकार, महिला अधिकार, विधिक आदि के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती कल्पना मिश्रा द्वारा किया गया। प्राचार्य एमबी गाटलिब के द्वारा जज का स्वागत पुष्प कुछ के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जीएस पटेल, डीके पांडे, यतीमा अतुल नाथन आदि उपस्थित थे।

मामला पाली विकासखंड के शासकीय महाविद्यालय का

कॉलेज में 5 साल बाद भी बीएससी गणित सहित प्रोफेशनल कोर्स की अब भी दरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्रामीण अंचलों में उच्च शिक्षा विस्तार के लिए महाविद्यालय की शुरुआत तो रही है किंतु विषय विशेषज्ञों सहित प्रोफेशनल कोर्स की दरकार बनी हुई है। परिणाम स्वरुप जिस उद्देश्य को लेकर महाविद्यालय की शुरुआत की गई थी वह अपने उद्देश्यों पर पूरी तरह से खरा नहीं उतर रहा है। कॉलेज प्रबंधन के द्वारा विश्वविद्यालय को मांग पत्र भेजे जाने के बावजूद महाविद्यालयों में संकाय शुरु करने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है।

मामला जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर पाली ब्लॉक में संचालित शासकीय कॉलेज का है जहां स्नातक स्तर की कक्षाओं से कॉलेज की शुरुआत की गई थी। 5 साल से अधिक लंबा समय बीतने के बावजूद महाविद्यालय में बीएससी गणित का संकाय शुरु नहीं हो सका है। इसके लिए अन्य प्रोफेशनल कोर्स जो सामान्य कोर्स से हटकर विश्वविद्यालय के द्वारा महाविद्यालयों में संचालित किए जाते हैं वह भी महाविद्यालय में शुरु नहीं हुए। समूचे क्षेत्र के ऐसे छात्र जो बीएससी गणित से करना चाहते हैं उन्हें या तो बिलासपुर जाना पड़ता है या कोरबा की राह देखनी पड़ती है। पूर्व में यहां संचालित एक निजी कॉलेज भी बंद हो गया है केवल शासकीय महाविद्यालय ही एक सहारा है और वह भी महाविद्यालय प्रबंधन की मांग के अनुसार प्रोफेशनल कोर्स और महत्वपूर्ण कोर्स शुरु नहीं होने से पूरी तरह छात्रों को संतुष्ट नहीं कर पा रहा है। वर्तमान में बीएससी बायो, बीए, कामर्स जैसे कोर्स संचालित हैं। इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तर के भी कुछ कोर्स चल रहे हैं।

खास बात

- व्यावसायिक कोर्स के लिए छात्रों को बिलासपुर या कोरबा आने की मजबूरी

शासकीय महाविद्यालय पाली।

समूचे पाली तानाखार का एक मात्र कॉलेज

पाली तानाखा विधानसभा जिले की सबसे बड़ी विधानसभा है और यहां एक मात्र शासकीय कॉलेज संचालित हैं। उसके बावजूद शासकीय कॉलेज में बड़े व्यवसायिक कोर्स नहीं शुरु हो पा रहे हैं। जबकि कॉलेज शुरु होने से ग्रामीण अंचलों के छात्रों के लिए एक बड़ा साधन बन गया था। किंतु अभी भी बीएससी गणित एवं अन्य कोर्स के लिए छात्र बिलासपुर जाना उचित समझते हैं। प्रोफेशनल कोर्स में बीएससी कम्प्युटर सांइस, बीसीए, डीसीए जैसे कोर्स की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

भूविस्थापितों का 21 को कुसमुंडा खदान बंद आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ किसान सभा और रोजगार एकता संघ द्वारा एसईसीएल के खदानों से प्रभावित भूविस्थापित किसानों की लंबित रोजगार प्रकरणों के निराकरण की मांग को लेकर सीएमडी के नाम ज्ञापन सौंपकर कुसमुंडा खदान बंद करने का ऐलान किया है।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भूविस्थापित रोजगार के लंबित प्रकरणों का निराकरण की मांग करते हुए थक गए हैं। विकास के नाम पर अपनी गांव और जमीन से बेदखल कर दीये गए विस्थापित परिवारों की ⏭ शेष पेज 4 पर

आंदोलन की चेतावनी देते भूविस्थापित।

सुरक्षा में तैनात त्रिपुरा राइफल्स के जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कुसमुंडा खदान के 29 नंबर कोल स्टॉक में सुरक्षा के लिए तैनात त्रिपुरा राइफल के एक जवान ने अपने सर्विस बंदूक एके 47 से गोली मारकर हत्या कर ली है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। घटना स्थल पर त्रिपुरा रायफल के जवानों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए एफसीएल की टीम को भी मौके पर बुलाया।

उल्लेखनीय है कि एसईसीएल की कुसमुंडा खदान की सुरक्षा का जिम्मा त्रिपुरा राइफल्स के कंधों पर है। त्रिपुरा राइफल्स के जवान खदान की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। कंपनी के जवान आजाद सिंह की शुक्रवार रात खदान की सुरक्षा में ड्यूटी लगी थी। आजाद सिंह ने खदान के कोल स्टॉक नंबर 29 के पास अपनी सर्विस राइफल एके-47 से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आजाद सिंह मूलतः राजस्थान का रहने वाला है। घटना की जानकारी मिलते ही त्रिपुरा राइफल्स व एसईसीएल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने पर कुसमुंडा थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा मौके पर पहुंचे। मामला गंभीर होने से घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई। खदान में इस तरह की यह पहली घटना है। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और घटना स्थल का गहनता से निरीक्षण किया। कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मामले में जांच की जा रही है, जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी किन वजहों से त्रिपुरा राइफल्स के जवान आजाद सिंह ने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

खास बातें

- कुसमुंडा खदान के 29 नंबर कोल स्टाक में सुरक्षा में तैनात था जवान
- अपनी सर्विस राइफल एके-47 से चलाई गोली

घटना स्थल जहां तैनात था जवान।

मृत त्रिपुरा राइफल का जवान।

पारिवारिक विवाद की मिल रही है जानकारी

एसईसीएल के पीआरओ सनीश चंद्र ने बताया कि टीएसआर के जवान राइफल मैन आजाद सिंह ने सर्विस गन एके- 47 से आत्महत्या की है। उनके साथियों ने जानकारी दी है कि वह पारिवारिक विवाद के कारण तनाव में था। एक साल में जवान को तीन बार छुट्टियां भी दी गई थी। पुलिस मौके पर मौजूद है घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

मरने से पहले फोन पर की थी बात

सूत्रों की मानें तो शव के पास से पुलिस को एक मोबाइल मिला है। वहीं हेडफोन भी गले के पास रखा हुआ था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत से पहले उसने किसी से फोन पर बातचीत की है। इसके बाद ही उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

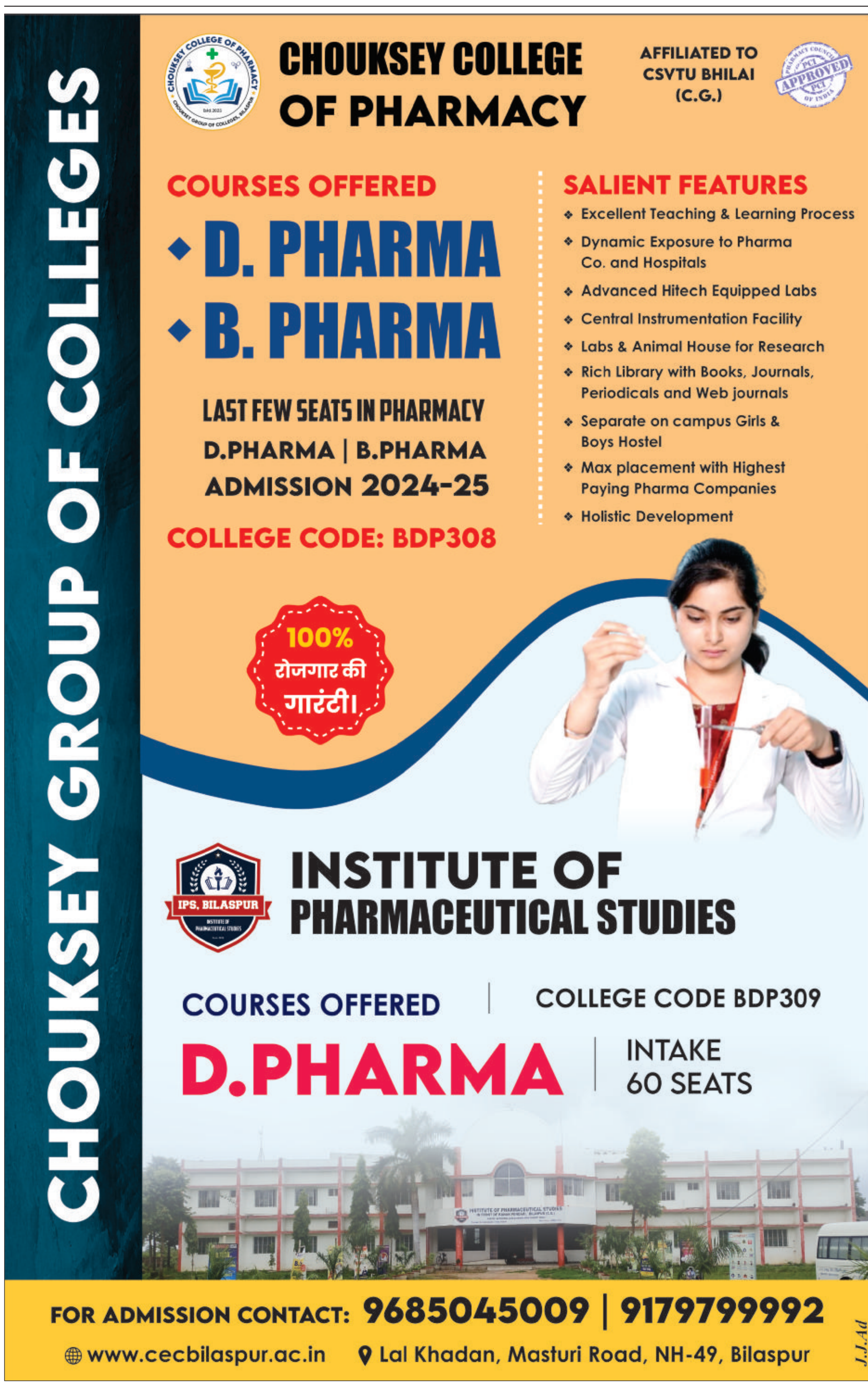

खबर संक्षेप

कुकदा में कलश यात्रा से प्रारंभ हुआ अखंड नवधा रामायण

गोधना। आदर्श ग्राम कुकदा में रामायण समिति द्वारा श्री अखंड नवधा रामायण यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं युवतियां शामिल हुई। कलश यात्रा का प्रारंभ यज्ञ स्थल से होते हुए गुड़ीपारा,जय स्तंभ चौक, स्कूल पारा, बाजार चौक होते हुए चंडी मंदिर पहुंची। वहीं चंडी मंदिर में श्री फल तोड़ा गया तथा बंधवा तालाब में जल भरकर कलश यात्रा पुनः कथा स्थल भाठापारा कुकदा पहुंची। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शत्रुहन प्रसाद साहू सरपंच ग्राम पंचायत कुकदा रहे। इस दौरान महेश कश्यप , केदारनाथ ,झंडूराम, मुनीराम, लक्ष्मी नारायण, श्याम साहू , मनहरण कश्यप, साधराम, कार्तिक राम ,रामलीला, गेंदराम, संतोष, राजू, मनोहर, लकेश्वर ,कृष्ण कुमार, कंचन यादव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्योता भोज से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का बढ़ेगा मनोबल

चांपा। बलौदा विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक शाला कबीरधाम में प्राथमिक शाला की प्रधान पठक अंजू देवांगन द्वारा नेवता भोज का आयोजन किया गया। इस न्योता भोज में बच्चों को चावल दाल पूड़ी सब्जी आचार पापड़ सलाद चटनी केला और मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर बच्चों को नेवता भोज के साथ विद्यालय के सभी छात्रों को प्रधान पाठक द्वारा थाली का वितरण किया गया, जिसमें बिरगहनी संकुल के अंतर्गत सभी विद्यालय के शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर डीएमसी राजकुमार तिवारी ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन प्रत्येक विद्यालय में होना चाहिए जिससे, सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का मनोबल बढ़ेगा।

शहर के बाजार में दिखी भीड़

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन आज रखेंगी करवाचौथ का व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पति की लंबी उम्र एवं सुखद गृहस्थ जीवन के लिए सुहागिन महिलाएं कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को प्रत्येक वर्ष करवा-चौथ का व्रत रखती हैं। आज यह व्रत ग्रह-गोचरों व दिनमान के अद्भुत संयोग में मनायी जाएगी। करवा चौथ को लेकर बाजार में जमकर रौनक देखने को मिल रही है। चतुर्थी माता (करवा माता) और गणेश को समर्पित इस तिथि को अपने पति के प्रति समर्पित होकर सुहागन महिलाएं यह व्रत व उपवास उनके दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य तथा जन्म-जन्मांतर तक उन्हें पुनः पति रूप में प्राप्त करने हेतु मंगल कामना करती हैं। इस पर्व पर सुहागिन महिलाओं को करवा से चंद्रमा को अर्ध्य देने, चलनी से चंद्रमा के साथ जीवनसाथी को देखने की अनूठी परंपरा है। यह व्रत जीवन साथी के सौभाग्य और अच्छी सेहत की कामना के साथ किया जाता है। इस दिन चौथ माता की पूजा होती है। जो महिलाएं ये व्रत करती हैं, वे दिनभर पानी भी नहीं पीती हैं। ये निर्जला व्रत है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ कहते हैं। करवाचौथ के मद्देनजर शहर के पुराना बस स्टेंड, बुधवारी बाजार, मुड़ापार बाजार, घंटाघर में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

सम्मान समारोह में उपस्थित महिलाएं।

करवा चौथ की पूर्व संध्या पर हुआ कार्यक्रम

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन शाखा कटघोरा इस साल भी करवा चौथ पर प्रतियोगिता आयोजित की गई है। करवा चौथ का थीम रखा गया जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें गेम के साथ नाश्ता पानी की व्यवस्था भी की गई है। प्रतियोगिता में सभी को ग्रीन साड़ी का थीम दिया गया था सभी अपने थीम को फॉलो करते करवा चौथ का त्योहार मनाए या त्योहार पति की लंबी उम्र के लिए मनाया जाता है सभी ने अपने पति की लंबी उम्र की कामनाएं की और धूमधाम से करवा चौथ का त्यौहार मनाया। जिसमें विजेता महिलाओं को पुरुस्कार भी दिया गया। इस अवसर पर निर्मला देवी, सुधा सिंघानिया, आशा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, ललीता अग्रवाल, किरण अग्रवाल, विमला अग्रवाल, कौशिल्या अग्रवाल, सावित्री धनोंदिया, शांति मित्तल, सुजाता अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, पुष्पा मित्तल, सुमित्रा अग्रवाल, सकुन अग्रवाल एवं मुन्नी अग्रवाल उपस्थित थीं।

जनजातीय परंपराओं का ज्ञान नई पीढ़ी को दें : रघुराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदजीबाजार

कार्यशाला में शामिल अतिथि एवं छात्र छात्राएं।

खास बात

- शासकीय हरदीबाजार कॉलेज में हुई कार्यशाला

शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदीबाजार में जनजातीय समाज के गौरवशाली ऐतिहासिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। सर्वप्रथम रानी दुर्गावती, वीर गुण्डाधुर, बिरसा मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह आदि के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य के द्वारा समस्त अतिथियों के प्रति स्वागत उद्बोधन किया गया और कार्यक्रम विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व युवा आयोग के सदस्य रघुराज सिंह उइके ने कहा कि देश में जनजातीय वीर-वीरांगनाओं के बलिदान की कई भूमि है जिसे प्रणाम करने की इच्छा करता है। नई पीढ़ी को इसकी जानकारी होनी चाहिए। हम अपनी परंपराओं और ज्ञान को भुलाते जा रहें हैं। इस ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित कर भावी पीढ़ी तक ले जाने की जरूरत है और जब आधुनिक शस्त्र नहीं थे, तब भी जनजातीय समाज अपने परंपरागत अस्त्रों से देश की आजादी के लिए लड़ा। हम फिर से उस इतिहास को जानने का प्रयास कर रहे हैं। इसे वर्तमान युवा पीढ़ी भी जाने और लोगों को बताए। कार्यक्रम में बोधराम कंवर, छोटे लाल पटेल, श्रवण यादव, अखिलेश पांडेय, अनिल पांडेय, श्री मूर्ति, श्री तिर्की उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में कार्यशाला संपन्न

पीजी कॉलेज में जनजातीय गौरव माह अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। सर्वप्रथम रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह आदि के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष रघुराज सिंह उइके शामिल हुए। रघुराज सिंह उइके ने कहा कि जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण पहचान एवं धरोहर को सहेजने पर विचार बल दिया और जनजातीय समाज के उत्कृष्ट कार्यों एवं विद्रोह संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में ज्योति रानी सिंह, रघुवीर सिंह मार्को, प्राचार्य साधना खरे, श्री टेकाम, श्री कंवर आदि उपस्थित रही।

स्वतंत्रता संग्राम में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर का अनुपम योगदान : पुंडलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह को लेकर पत्रकार वार्ता

देश के लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के किए कार्यों और उनके योगदान को बताने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए स्कूल और कॉलेजों में जाकर युवाओं को बताया जा रहा है। युवाओं के माध्यम से उनके घरों में भी पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर बारे में जानकारी पहुंचाई जाएगी। इसके लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

पत्रकारवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते समिति के पदाधिकारी।

उक्त बातें पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह समिति सचिव श्रीमती अक्षदा पुंडलिक और अभिषेक शर्मा ने प्रेस क्लब तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर के बारे में बताने नवरात्रि और दशहरा के दौरान पूजा पंडालों में भी विविध आयोजन किए गए थे। आगे भी यह आयोजन जारी रहेगा। फिलहाल अभी स्कूल और कॉलेज में प्रचार प्रसार को किया जा रहा है। जल्द ही इसमें विस्तार देखने को मिलेगी। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इतिहास में अलग-अलग समय पर भारत के इस पावन भूमि पर महान पुरुषों और महिलाओं ने जन्म लिया है, जिन्होंने समय समय पर अद्भुत कार्य किये। इसी भूमि ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर जैसी महान महिला नेता को जन्म दिया है, जिन्होंने देश के विकास तथा देश के स्वतंत्रता संग्राम में अनुपम योगदान दिया।

ऑटो संघ का बनेगा भवन, उद्योग मंत्री ने 20 लाख रुपए देने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ऑटो वाले तीनों मौसम में मेहनत करते हैं। ईमानदारी के साथ मेहनत कर यात्रियों को उनके मंजिल तक सुरक्षित पहुंचाने का कार्य करते हैं। वे समय की परवाह नहीं करते। शहर से गांव, सुबह से रात में किसी को अस्पताल छोड़ना हो या फिर अन्य महत्वपूर्ण स्थान पर धूप में, बरसात में हर समय कार्य करते हैं। शासन द्वारा योजना चलाई जा रही है। हमारे असंगठित क्षेत्र के सभी ऑटो ड्राईवर पंजीयन कराएं। उक्त बातें उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन बुधवारी स्थित आदिवासी शक्तिपीठ स्थल प्रांगण में आयोजित जिला ऑटो संघ के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति किसी नए शहर में जाता है तो ऑटो ड्राइवर के माध्यम से उस शहर, प्रांत की विस्तृत जानकारी मिल जाती है। जिले के आटो चालक भी अपने दायित्वों का निर्वहन करें और यात्रियों के दिल में भरोसा बनाए रखते हुए जिले के विकास में अपनी योगदान दें। उन्होंने आटो चालकों की समस्याओं को दूर करने हरसंभव मदद की बात कहते हुए संघ के लिए भवन हेतु 20 लाख की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों एवं असंगठित मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, राजीव सिंह ने भी संबोधित किया। मंत्री श्री देवांगन ने आटो संघ के अध्यक्ष आजम खान, उपाध्यक्ष पंकज तिवारी, सचिव यशवंत कौशिक सहित अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, आटो चालक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

19 korba-BHOOMI-BHOOMI-FULL-pg3_Layout 1 10/19/2024 11:56 PM Page 1

- स्पिन एण्ड विन*
- निश्चित उपहार*
- एसेसरीज डिस्काउंट*
- तुरंत फायनेंस सुविधा उपलब्ध*
- आकर्षक छूट*
- आपके पुरानी गाड़ी का उचित मुल्यांकन*

GRAND i10NIOS	AURA	EXTER	i20
Benefit upto 58,000*	Benefit upto 43,000*	Benefit upto 30,000*	Benefit upto 55,000*

VENUE	VERNA	ALCAZAR (P/D)	TUCSON
Benefit upto 65,000*	Benefit upto 55,000*	Benefit upto 1,00,000*	Benefit upto 2,00,000*

3 YEAR Unlimited* Kilometer Warranty | 3 YEAR Road Side Assistance (RSA)* | UPTO 5 YEARS Shield of Trust Running Repair Package* | UPTO 5 YEARS Shield of Trust Super Maintenance Package* | UPTO 7 YEARS Extended Warranty^

KRISHNA HYUNDAI

Near Shri Saptdev Mandir, Modi Road, Sitamani, KORBA (C.G.) 495678

Call for more information: +91 62321 23641

19 korba-BHOOMI-pg-4_Layout 1 10/19/2024 11:57 PM Page 1

मुस्कुराहट एक ऐसी शारीरिक गतिविधि है, जो ना केवल हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, इससे हमारे जीवन में खुशी फैलती है। हम टेंशनफ्री होते हैं और हमारे सोशल सर्कल में हमारी इमेज भी पॉजिटिव बनती है। मजे की बात है, यह खूबी हम सभी के पास होती है तो फिर झिझक कैसी? आइए हम भी मुस्कुराएं, आप भी मुस्कुराइए।

स्माइल प्लीज...

लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

एक मुस्कुराहट आपके लाखों बिगड़े काम बना सकती है। एक मुस्कुराहट आपके भीतर अनगिनत सपने जगा सकती है। गुस्से से जल भुन रहे किसी व्यक्ति को एक हल्की सी मुस्कुराहट पानी-पानी कर सकती है। यह सिर्फ भावुक कवियों या दार्शनिकों के उदार आख्यान नहीं हैं। विज्ञान भी इन बातों के साथ अपनी सहमति जता चुका है कि मुस्कुराहट इंसान की बहुत बड़ी ताकत है। सिर्फ ताकत ही नहीं है, मुस्कुराने के अनगिनत फायदे भी हैं, चाहे हम उन फायदों को जानें या ना जानें।

तनाव-गुस्सा हो जाए गायब: आप बहुत तनाव या गुस्से में हों और किसी वजह से आप में हल्की सी मुस्कुराहट तैर जाए, तो समझिए कि आपका 50 फीसदी तनाव तो मुस्कुराहट के तैरने के साथ ही गायब हो जाएगा। दरअसल, एक छोटी से छोटी मुस्कुराहट भी हमारे न्यूरोपेप्टाइड्स के स्राव सक्रिय कर देती है और इससे तुरंत डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का तंत्र भी झनझना जाता है, जिस कारण ना सिर्फ तुरंत हमारा मूड बेहतर होता है बल्कि हम कहीं ज्यादा चैतन्य और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे हमारा व्यवहार ज्यादा सकारात्मक और आत्मीय हो जाता है। मुस्कुराहट सिर्फ हमारा तनाव ही कम नहीं करती बल्कि हमारे शरीर का रक्तसंचार भी बेहतर करती है।

क्योंकि इससे हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है। अगर हमारी मुस्कुराहट स्वाभाविक या प्राकृतिक नहीं है बल्कि कोशिशन है, तो इसके भी हमें फायदे मिलते हैं। विज्ञान साबित कर चुका है कि मुस्कराने से हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। इससे हमारे काम करने का ढंग प्रभावी हो जाता है। मुस्कुराहट हमारे शरीर में किसी भी किस्म के दर्द को कम या खत्म करती है, क्योंकि मुस्कुराने से हमारा शरीर एंडोर्फिन जैसे प्राकृतिक दर्द निवारक रिलीज करता है। हम यह भी ना भूलें कि मनोवैज्ञानिक ही नहीं ब्यूटी एक्सपर्ट भी इस बात को तथ्यात्मक रूप से मान चुके हैं कि मुस्कुराने से हम खूबसूरत दिखते हैं। मुस्कुराने से कुरूप से कुरूप व्यक्ति भी खूबसूरत नजर आता है।

मूड बन जाए बेहतर: समझने वाले को इशारा काफी है कि अगर स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में सकारात्मक रहना चाहते हैं तो जितना हो सके मुस्कुराहट का दामन थामे रहें। क्योंकि मुस्कुराहट हमारे मूड और स्वास्थ्य को हमेशा बेहतर बनाती है। यह किसी एक मनोवैज्ञानिक या शरीर वैज्ञानिक का दावा नहीं है बल्कि लाखों वैज्ञानिकों की लंबे समय तक की गई समीक्षाओं का निष्कर्ष है। सच पूछा जाए तो मुस्कुराहट किसी शख्स की सबसे बड़ी ताकत होती है।

दूसरों को मिलती है खुशी: मुस्कुराहट सिर्फ खुद को ही अनगिनत फायदे नहीं देती बल्कि यह दूसरों को भी मालामाल करती है। मुस्कुराने से सिर्फ आपका ही दिन नहीं बनता बल्कि यह दूसरों का भी दिन बना सकती है। निश्चित रूप से मुस्कुराहट एक ऐसी अनैच्छिक प्रतिक्रिया है, जो हमें खुशी देती है। अगर हम जान-बूझकर या कहें किसी नाटक के तहत भी मुस्कुराते हैं, तो उस मुस्कुराहट के भी नकारात्मक नतीजे नहीं निकलते बल्कि उससे भी फायदा ही होता है। मुस्कुराहट एक ऐसा संक्रामक प्रभाव है कि अगर हमारे इर्द-गिर्द कोई मुस्कुराता है, तो उसका भी हम सबको फायदा मिलता है यानी मुस्कुराने वाला और जिसके लिए मुस्कुराया जाए, सिर्फ उसे ही नहीं, अगर हम मुस्कुराने वालों के इर्द-गिर्द भी मौजूद हों, तो हमें भी उस मौजूदगी का लाभ होता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मुस्कुराना हम सभी की रोजमर्रा की जिंदगी में कितना फायदेमंद है।

जीते हैं लंबी जिंदगी: मुस्कुराहट के अनगिनत फायदे हैं, चाहे इसे जिस तरीके से विश्लेषित किया जाए। चाहे जैविक आधार पर देखा जाए, चाहे सामाजिक आधार पर समझा जाए और चाहे करियर या कारोबार में सफलता के तौर पर व्यक्त किया जाए। अगर हम जैविक रूप में देखें तो पाते हैं कि जिन लोगों को बात-बात पर मुस्कुराने और ज्यादातर मौकों पर खुश रहने की आदत होती है, वे ऐसे किसी भी व्यक्ति से ज्यादा जीते हैं, गुस्सा जिनकी नाक पर बैठा होता है और जो जिंदगी में ज्यादातर समय दुखी रहते हैं, छोटी सी बात पर परेशान हो जाते हैं, डल हो जाते हैं। ऐसे लोगों के मुकाबले जिंदगी को मुस्कुराकर गुजारने वाले चुनौतियों का मुस्कुराकर मुकाबला करने वाले लोग कहीं ज्यादा जीते हैं और इसका बहुत साधारण सा कारण है। जब हम मुस्कुराते हैं या हमारे सामने मौजूद कोई शख्स मुस्कुराता है तो उसकी मुस्कुराहट से या हमारी अपनी मुस्कुराहट से हमारा मूड बदल जाता है और हम लंबे समय तक सकारात्मक रहते हैं।

निखरती है सोशल इमेज: खुश होना, सकारात्मक रहना, स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए मुस्कुराने वाले लोग लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन पाते हैं। अगर हम दिन में कम से कम एक बार मुस्कुरा लें तो हमारे दिन भर का काफी हद तक तनाव खत्म हो जाता है। चेहरे की भाव भंगिमाएं, खूबसूरत और सकारात्मक हो जाती हैं, जिस कारण हम जिससे मिलते हैं, उसे तो अच्छा लगता ही है, हमें भी अच्छा लगता है, क्योंकि हम जिससे मिलते हैं, वह व्यक्ति हमसे अच्छा व्यवहार करता है। दिन भर में एक या दो बार भी अगर हम दिल से मुस्कुरा लें, तो हमारी सारी थकान खत्म हो जाती है। हम अभिभूत से दिखने लगते हैं। इससे हमारी सोशल इमेज निखरती है। लब्बोलुआब यह कि मुस्कुराना हमारी हमारी सफलता, हमारी खुशी का सबसे बड़ा सबूत होती है। *

मुस्कुराहट के प्रकार

वैसे मुस्कुराहटें तीन तरह की होती हैं। पहली तरह कि मुस्कुराहट एक ऐसी सौम्य मुस्कुराहट होती है, जो स्वीकृति, खुशी, संतोष और अनगिनत दूसरे सकारात्मक भावों को व्यक्त करती है। दूसरे किस्म की मुस्कुराहट वह होती है, जिससे हमें बल मिलता है, भरोसा मिलता है, अपनापन महसूस होता है, करुणा और सामाजिक जुड़ाव की उम्मीद बंधती है। लेकिन एक वर्चस्व की मुस्कान भी होती है या इसे चाहें तो हम प्रभुत्व की मुस्कुराहट भी कह सकते हैं। भगवान कृष्ण जब दुर्योधन की बड़ी-बड़ी डींगों पर हल्के से मुस्कुरा देते हैं, तो वह मुस्कुराहट दुर्योधन के सारे दावों पर पानी फेरना होता है। यह प्रभुत्व की मुस्कुराहट है। इस मुस्कुराहट से हम दूसरे को खारिज करते हैं, अपनी श्रेष्ठता दर्ज करते हैं और कभी-कभी ऐसी मुस्कुराहट से हम अपने अंदर की घृणा को भी व्यक्त करते हैं।

युवा पीढ़ी समझती है वैवाहिक बंधन की महत्ता

विवाह का बंधन, ऐसा जुड़ाव है, जो दो इंसानों, परिवारों को ही नहीं जोड़ता, सामाजिक संस्कारों को भी आगे बढ़ाता है। आज की युवा पीढ़ी इस बंधन की महत्ता को अच्छी तरह समझती है। इस जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने में करवा चौथ जैसे पर्व बड़ी भूमिका निभाते हैं।

करवा चौथ विशेष

रिलेशनशिप / डॉ. मोनिका शर्मा

एक स्त्री-पुरुष के मन-जीवन का गठजोड़ शादी का रिश्ता, समाज की बुनियाद को मजबूती देता है। भविष्य की पीढ़ियों का आधार और पुरानी पीढ़ी को थामे रखने वाला सहारा बनता है। हमारे देश में विवाह संस्कार को पूरे समाज की ही बुनियाद माना जाता है। यही कारण है कि डिजिटल जुड़ाव से लेकर दुनियावी बदलाव तक, शादी से जुड़े बहुत से रंगों को नहीं बदल सके हैं। अच्छी बात यह है कि बहुत से युवा आज भी परंपरागत रीति-रिवाज से ना केवल शादी करने में बल्कि उसे निभाने में भी विश्वास रखते हैं। करवा चौथ जैसे पर्व, पति-पत्नी के मनोभावों के जुड़े रहने की भावना को और प्रगाढ़ करते हैं।

बरकरार है जिम्मेदारी का भाव: दुनिया के हर समाज में युवा पीढ़ी सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की वाहक होती है। ट्रेडिशनल रंग-ढंग लिए इन वैल्यूज को उनकी शादी-शुदा जिंदगी अगली पीढ़ी तक लेकर जाती है। दो इंसानों का आपसी स्नेह, संस्कारों की धरोहर भी सहेजता है। सुखद है कि युवा पीढ़ी अब परिवार की महत्ता समझ रही है। कमोबेश हर मोर्चे पर लाइफस्टाइल से जुड़े बदलावों को जीने वाली नई पीढ़ी में पारिवारिक जीवन की अहमियत समझने का भाव भी साफ दिखता है। हमारी परंपरागत और सांस्कृतिक जीवनशैली से जुड़े भाव-चाव को संवारते-संभालते युवा, परिवार तंत्र को बनाए रखने से जुड़े विश्वास को बल देते हैं। दुनिया के हर हिस्से में ही शादी-शुदा जीवन में आ रहे अलगाव और बिखराव से बचने के लिए जज्बाती बंधनों को बनाए रखने की सोच दुनिया भर में सराही जाती है। प्रोफेशनल, पर्सनल, रिश्ते-नातों और मनोभावों से जुड़ी हर जद्दोजहद के बीच भी यंग जनरेशन का विवाह के संबंध में भरोसा बने रहना, पूरे समाज के लिए सुखद है। कुछ समय पहले सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी से जुड़े पब्लिक फाउंडेशन-ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सर्वेक्षण में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों की एक श्रंखला को कवर करने वाली स्टडीज में सामने आया था कि हमारे यहां बड़ी संख्या में युवा परंपरागत ढंग से वैवाहिक बंधन में बंध रहे हैं। शादी डॉट कॉम द्वारा करवाया गया एक अध्ययन भी बताता है कि भारत में शादी को इमोशनल और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी से जोड़कर देखे जाने की सोच है। जीवन भर के साथ में ठहराव और लगाव के मायने समझने वाले युवा आज भी परिवार और जीवनसाथी के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखते हैं। यही सोच शादी के बंधन में बिखराव नहीं आने देती है।

साथ बने रहने की सोच: हमारे देश में आज भी डाइवोर्स का प्रतिशत बहुत कम है। भारत में तलाक की दर अब भी दुनिया की तुलना में केवल 1 प्रतिशत है। आज भी परिजन हों या खुद यंग कपल्स, छोटी-मोटी उलझनों को रिश्ता टूटने का कारण नहीं बनने देते। साथ रहते-जीते हुए सब कुछ सहज और मनचाहा नहीं हो सकता, यंग जनरेशन की ऐसी समझ वाकई सुखद है। दुनिया के हर हिस्से में बढ़ रहे डाइवोर्स केसेस के बीच भारत में बड़ी संख्या में युवक और युवतियां वैवाहिक संबंधों को लेकर बहुत सकारात्मक सोच रखते हैं। यह सोच उनके घर-परिवार से जुड़े रहने की सोच का ही एक पहलू है। फैमिली से जुड़े रहने से ना केवल समय के साथ बढ़ती उलझनों को सुलझाने में पैरेंट्स की सलाह-समझाइश मिलती है बल्कि शादी-शुदा जिंदगी में सम्मानजनक व्यवहार को भी बल मिलता है। इससे पारिवारिक माहौल में बहुत पॉजिटिव बदलाव आ रहे हैं। एक ओर लव मैरिज से जुड़े बच्चों के फैसले अभिभावक खुशी-खुशी स्वीकार करने लगे हैं तो दूसरी ओर बहुत से बच्चे भी लाइफ पार्टनर को लेकर पैरेंट्स के चुनाव को अहमियत देते हैं। यह शेयरिंग-केयरिंग का पहलू पूरे फैमिली सिस्टम को थामने वाला है।

जीवन संवारने वाला भरोसा: कुछ समय पहले स्टैटिस्टिक्स ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में सामने आया था कि अरेंज मैरिज में डाइवोर्स की दर सिर्फ 6 प्रतिशत है। इसी आंकड़े के रेफरेंस देते हुए भारत के 60 प्रतिशत युवाओं ने खुद को अरेंज मैरिज के पक्ष में बताया। सुखद यह है कि ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल से जुड़ी यह सोच युवाओं को आज के दौर में मन और शरीर से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से भी बचाने वाली है। सार्थक बदलाव के साथ इस भाव और विश्वास की बुनियाद को पक्का करने वाले करवा चौथ जैसे पर्व भी मन के मेल को और बढ़ाने वाले ही हैं। अपने परिवार और साथी की कुशल कामना से जुड़े ऐसे त्योहार, थोड़ा ठहर कर यह सोचने का परिवेश बनाते हैं कि हमारे समाज में शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, दो परिवारों का गठजोड़ है। इससे आपसी भावनात्मक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है, समय के साथ बढ़ती जाती है। *

दोहे

केदार शर्मा 'निरीह'

प्रियतम का यूं साथ हो...

धरती पर रस बरसता, कर तम का अवसान।
मन तम को हर लीजिए, हर करके अज्ञान।।
जल बिच खिलती कुमुदनी, चढ़ती ज्यों परवान।
प्रियतम का यूं साथ हो, मांग रही वरदान।।
धरती की कर परिक्रमा, करा नेह का भान।
मेरे प्रियतम संग मैं, करती हूं गुणगान।।
भावों की जलधार से, अर्घ्य का कर दान।
किरण आपकी उतर कर, हरे मनस अज्ञान।।
जीवन झरने सा बहे, प्रियतम के संग-साथ।
छाया हो या धूप हो, रहे हाथ में हाथ।।
सारस संगी सारसी, जैसे आठों याम।
हरिन संग में हरिप्रिया, रमा संग ज्यों राम।।
गिरिजा का ज्यों संग है, गिरिजापति के साथ।
ऐसे साजन साथ दें, सुनिए तारक नाथ।।
युगों युगों से दे रहे, धरती को अवदान।
विनती तारक नाथ से, दें सुहाग सम्मान।।

लघुकथाएं

वचन

प्रवीण को वह करवा चौथ आज भी याद है। जब पत्नी अस्पताल में भर्ती थी। उसके पैर में फ्रेक्चर हो गया था। वह शाम को अपने बिस्तर पर उदास लेटी हुई थी। प्रवीण ने कहा, 'तुम्हारा ऑपरेशन सफल हो गया है फिर क्यों चेहरा लटका रखा है? सुख-दुख तो जीवन में आते-जाते रहते हैं। इसी को ही तो जीवन कहते हैं।'

पत्नी दुखी मन से बोली, 'मुझे अपनी चिंता नहीं है।'

'तो किसकी चिंता है?' प्रवीण ने पूछा।

पत्नी की आंखें नम हो आईं, बोली, 'कल करवा चौथ है और मैं आपकी लंबी उम्र के लिए उपवास भी नहीं रख सकूंगी। बस यही चिंता सता रही है। ईश्वर ने मेरे साथ कितना बुरा किया है।' 'अरे ईश्वर को क्यों कोसती हो...तुम्हें याद है, जब अपनी शादी के फेरे हुए थे तो पंडित जी ने एक-दूसरे का साथ देने के लिए सात वचन करवाए थे। उस समय मैंने भी कहा था, मैं हमेशा तुम्हारे सुख-दुख में सदा साथ रहूंगा। आज शायद वो वचन निभाने का समय आ गया है।' प्रवीण ने पत्नी की हिम्मत बंधाई। पत्नी चौंकी, 'वचन...! करवा चौथ पर कौन-सा वचन निभाओगे?'

'जब तुम मेरी दीर्घायु की कामना करने के लिए पिछले तीस बरसों से करवा चौथ का व्रत करती आई हो... तो कल मैं...।' प्रवीण कुछ और कहता, इससे पहले पत्नी बीच में ही बोली, 'तो कल मैं का क्या मतलब...?' 'कल मैं तुम्हारी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की मन्नत के साथ करवा चौथ का व्रत रखूंगा और तुम्हारे दर्शन करके ही अन्न-जल ग्रहण करूंगा।' प्रवीण पत्नी का हाथ अपने हाथों में लेकर बोला।

यह सुनकर पत्नी के आंखों में आंसू छलक आए। *

– गोविंद भारद्वाज

सम्मान

आज आकाश जी खुशी से फूले नहीं समा रहे थे, उनके बेटे अमित ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान जो प्राप्त किया था।

आकाश जी बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनकी पत्नी प्रभा घरेलू महिला हैं। वह सुबह से ही घर सजाने में व्यस्त थीं। आज मीडिया वाले अमित का इंटरव्यू लेने आने वाले थे। 'मां आप भी तैयार हो जाएं, मीडिया वाले आपसे भी बात करेंगे।' अमित अपनी मां के गले में प्यार से हाथ डालते हुए बोला।

'इन्हें तैयार-वैयार होने की कोई जरूरत नहीं है।' एकाएक आकाश जी बीच में ही बोल पड़े, फिर वह प्रभा की ओर मुखातिब हुए, 'और हां, तुम उन लोगों के सामने आना भी मत। तुम्हें पढ़ाई-लिखाई की बात कहां समझ में आती है। मीडिया वालों के सामने कोई ऊंटपटांग जवाब दे दिया तो भद्द पिट जाएगी।'

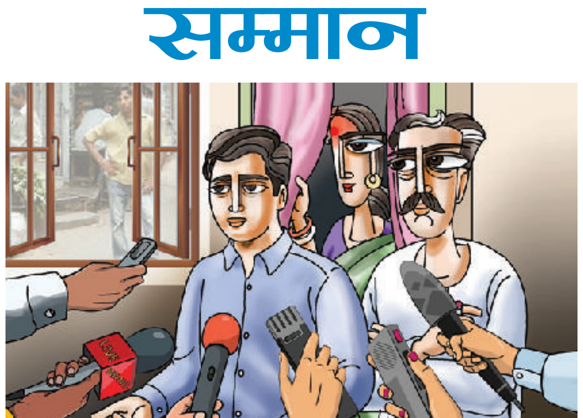

आकाश जी की बात सुनकर प्रभा का सारा उत्साह ठंडा पड़ गया। पहली बार उन्हें अपने पति की बात शूल की तरह चुभी थी। ऐसा भी नहीं था कि अनपढ़ होने का तंज उन्होंने पहली बार सहा हो, या इससे पहले कभी उन्हें बच्चों की परवरिश को लेकर पति ने कोई टिप्पणी ना की हो।

तभी दरवाजे की घंटी बजी। मीडिया वाले आ गए थे। आकाश जी आदर के साथ उन लोगों को अंदर लाए। अमित के इंटरव्यू का सिलसिला शुरू हुआ। कई सवाल पूछे जाने के बाद अचानक एक रिपोर्टर की नजर पर्दे की आड़ में से झांक रही किसी महिला पर पड़ी। उसने बरबस अमित से पूछ लिया, 'वे शायद आपकी माता जी हैं, उन्हें तो बुलाइए जरा।'

'अरे, नहीं-नहीं, वो तो हमारी रिश्तेदार हैं। अमित की मां तो मंदिर गई हुई हैं।' आकाश जी ने साफ-साफ झूठ बोल दिया। 'नहीं, यह मेरी मां हैं, पापा झूठ बोल रहे हैं। दरअसल, मेरी मां कम पढ़ी-लिखी हैं, इसलिए पापा उन्हें कभी किसी से नहीं मिलवाते, लेकिन मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं। आज तक मैंने जो भी मुकाम हासिल किया है, वह सिर्फ और सिर्फ अपनी मां की वजह से प्राप्त किया है। अगर मां मेरा साथ ना देतीं तो मैं कब का हार मान चुका होता। जब भी मेरी लगन-मेहनत में कमी होती, मां ही मुझे संभालतीं। मेरी मां के विश्वास ने ही मुझे मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और आज मैं इतनी बड़ी सक्सेस पा सका हूं।' कह कर अमित अपनी मां का हाथ पकड़ कर बैठक में ले आया। उसने मां को अपने पापा के पास वाली कुर्सी पर बैठा दिया।

प्रभा की आंखें खुशी से छलक आई थीं। आज उसके बेटे ने उन्हें बहुत बड़ा सम्मान दिलाया था। *

-शीला श्रीवास्तव

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

इंद्रप्रस्थ भारती का रामदरश मिश्र विशेषांक

अनेक विधाओं के लेखन में सिद्धहस्त, कई पुरस्कारों से सम्मानित सात-आठ दशकों से निरंतर रचनारत वयोवृद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का यह जन्मशती वर्ष चल रहा है। इस अवसर पर उन पर केंद्रित इंद्रप्रस्थ भारती पत्रिका का जुलाई-अगस्त अंक, विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक ना केवल पठनीय अपितु संग्रहणीय भी बन पड़ा है क्योंकि इसमें हम ना केवल रामदरश जी की रचनाशीलता के विभिन्न आयामों से परिचित हो सकते हैं, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को कई लेखकों के नजरिए से समझ भी सकते हैं। पत्रिका के पहले खंड में वरिष्ठ लेखक प्रकाश मनु और ओम निश्चल ने भरपूर भावुकता से मिश्र जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया है तो उनकी पुत्री स्मिता मिश्र की अनुभूतियां भी मार्मिक हैं। दूसरे खंड में मिश्रजी के रचना संसार का एक झरोखा खुलता है। इसमें उनकी कुछ कहानियां, कुछ कविताएं, आत्मकथा के अंश, डायरी के अंश और निबंध पढ़ सकते हैं तो तीसरे खंड में प्रेम जनमेजय, पल्लव, नीलम चतुर्वेदी, वेदमित्र शुक्ल और केशव मोहन पांडे समेत एक दर्जन से अधिक लेखकों ने रामदरश जी की बहुविध रचनाशीलता की महत्ता को रेखांकित किया है। *

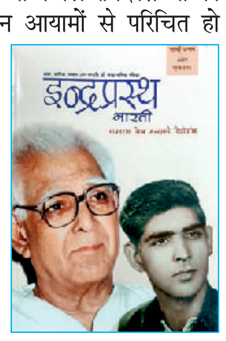

पत्रिका: इंद्रप्रस्थ भारती (जुलाई-अगस्त 2024, रामदरश मिश्र जन्मशती विशेषांक), संपादक: संजय कुमार गर्ग, मूल्य: 75 रुपए, प्रकाशक: हिंदी अकादमी, दिल्ली

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में सहायक प्राध्यापक दीप्ति को मिली सफलता

कोरबा। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में जिले के अनेक युवा प्राध्यापकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कोरबा और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। इनमें कमला नेहरू महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती दीप्ति सिंह क्षत्रीय भी एक हैं, जिन्होंने कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन विषय से नेट क्वालीफाई किया। वह श्रीमती माधवी सिंह व प्रेम सिंह की पुत्री हैं। इस विषय में देशभर से 50 हजार 161 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड जबकि, 29772 शामिल हुए थे। सामान्य वर्ग से सम्मिलित होते हुए इस परीक्षा में 95.82 प्रतिशत अंक अर्जित कर दीप्ति ने सहायक प्राध्यापक के पद एवं पीएचडी के लिए प्रयास करने की योग्यता हासिल कर ली है। उल्लेखनीय होगा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा यूजीसी-नेट आयोजित करने का कार्य सौंपा गया है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के साथ-साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। दीप्ति की इस सफलता के लिए कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

ज़िला स्तरीय कराते प्रतियोगिता

कोरबा। ज़िला कराते डू स्पोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सिटी सेंटर मॉल स्थित लेवल अप एमएमए अकादमी एवं फ़िटनेस स्टूडियो में संपन्न हुआ। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अविनाश बंजारे ने बताया इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर सहित सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें 45 बच्चों चयन किया गया। विजेता खिलाडी बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में अपना दमख़म दिखायेंगे। प्रतियोगिता में सब्जूनियर बालिका वर्ग में आराध्या पाल, आद्य राठौर, आराध्य श्रीवास, काव्य ठाकुर, आस्विता पांडेय, एकता पटेल, सौम्या चंद्रा, हर्षिता कैवर्त, जैस्मिन कुर्रे, कैडेट वर्ग में दीक्षा सिन्हा, भूमिका जगत, सीनियर वर्ग में जसवीर बामरा एवं बालक वर्ग में आलोक गुप्ता, अर्णव यादव, अधृत नारायण पांडेय, आदित्य बतरा, आयुष उराव, नेवान आर पिल्लै, युवराज गोगोई, जॉनसन एक्का, अर्घ्य सिंह, फरहान रज़ा, उज्जवल पंडित, लोमश सिन्हा, अक्षत पांडेय, शार्थक चंद्रा, सृजन शर्मा, अथर्व शर्मा, नैतिक पटेल, प्रज्वल चिचखेड़े कैडेट वर्ग में अभिनीत मसीह, हर्ष यादव, प्रिंस दूबे, अनीश खरे, शेन अलेक्स चौधरी, अरुण डेविड, जूनियर वर्ग में अनुज अग्रवाल, मयंक कश्यप, विशाल साहू सीनियर वर्ग में दीपक रोहदास शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। ज़िला संघ के सचिव अजीत शर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय के बाद दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के लिए कैम्प आयोजित कर प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने रेफ़री एवं जज पैनल में स्नेहा बंजारे, देवशीष कश्यप, छत्रशाल सिंह प्रताप, रिया श्रीवास, रानी मरकाम, आरिफ़ आदि ने डब्लूकेएफ़ महासंघ के नियम के तहत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ज़िला खेल अधिकारी दिनु पटेल, रामकृपाल साहू, ज़िला क्रीड़ाधिकारी केआर टंडन ज़िला ओलंपिक संघ सचिव सुरेश क्रिस्टोफ़र कोषाध्यक्ष सुशील गर्ग, ज़िला कराते संघ अध्यक्ष मुकेश सिंह, उपाध्यक्ष अशोक यादव ने चयनित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

निधन

श्याम सुंदर अग्रवाल

कोरबा। श्याम ट्रेडर्स के संचालक श्याम सुंदर अग्रवाल (72 वर्ष) का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार रामसागरपारा मुक्तिधाम में किया गया। उनके अंतिम संस्कार में परिवार परिजन सहित गणमान्य नागरिक शामिल थे।

जेराल शाह

कोरबा। एनटीपीसी साडा कॉलोनी जमनीपाली निवासी एसईसीएल कुसमुंडा से सेवानिवृत्त अधिकारी जेराल शाह (71 वर्ष) का शनिवार को निधन हो गया। वे अपने पीछे बीकन स्कूल कुसमुंडा में वरिष्ठ शिक्षिका समेत पुत्र परिवार सहित शोक संतप्त छोड़ गए। उनका अंतिम संस्कार मेनोनाइट मिशन कब्रिस्तान कोरबा में किया गया। इस दौरान एसईसीएल मिशन स्कूल, बीकन स्कूल के गणमान्य लोगों सहित विभिन्न समाज के लोग शामिल हुए।

4 नवंबर से होगी शुरुआत, कलेक्टर ने स्कूलों में मेन्यू लिखवाने के दिए निर्देश

अब कटघोरा, पाली और कोरबा ग्रामीण के स्कूलों में भी दिया जाएगा नाश्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर अजीत वसंत ने स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने जिले में शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने के

खास बात

- पोड़ी उपरोड़ा, कोरबा शहरी स्कूलों में पहले से बंट रहे नाश्ते

निर्देश शिक्षा अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने पोड़ी-उपरोड़ा तथा कोरबा शहरी क्षेत्र के स्कूलों में सुबह दिए जा रहे नाश्ते से बच्चों की उपस्थिति और प्रभाव की समीक्षा की।

संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों से मिले फीडबैक को देखकर कलेक्टर ने जिले के कटघोरा, पाली, करतला और कोरबा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में भी नाश्ता वितरण प्रारंभ करने

समीक्षा बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारी।

के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बीईओ को स्कूलों में नाश्ता वितरण के मेन्यू को दीवार पर लिखवाने और दीपावली अवकाश के बाद 4 नवंबर को शाला प्रारंभ होने के साथ ही नाश्ता वितरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नाश्ता वितरण प्रारंभ होने से पूर्व शाला विकास प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित करने एवं प्रतिदिन 10 अलग-अलग विद्यालयों में नाश्ता वितरण के फोटोग्राफ्स भेजने के निर्देश बीईओ को दिए। कलेक्टर ने प्राइमरी, मिडिल, हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में डीएमएफ से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति तथा उनके द्वारा की जा रही अध्यापन के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि हाई एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में किसी अतिथि शिक्षक के 03 माह तक अवकाश संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित स्कूल के प्राचार्य द्वारा अन्य शिक्षकों को रखा जाए ताकि विद्यार्थियों का अध्यापन प्रभावित न हो। उन्होंने सभी अतिथि शिक्षकों के परफॉर्मेंस को ध्यान रखने और विद्यार्थियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्राइमरी स्कूलों में 263 अतिथि शिक्षकों के भर्ती के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि इस माह के अंत तक भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर नवंबर से अध्यापन प्रारंभ कराया जाए।

स्कूलों में न्यूज पेपर डेस्क लगाने के निर्देश

कलेक्टर ने हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि के लिए न्यूज पेपर डेस्क लगाने तथा दो महत्वपूर्ण अखबार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यूज पेपर डेस्क के लिए डीएमएफ मद से सभी विद्यालयों को राशि देने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में न्योता भोज का आयोजन कराने तथा राज्य स्तरीय योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवंबर माह की अंतिम सप्ताह में सभी विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित करने और विद्यालयवार समीक्षा की बात कही।

इंडस्ट्रियल एरिया की सड़कों में बह रहा फैक्ट्रियों का पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

इंडस्ट्रियल एरिया खरमोरा में सड़कों को लेकर बरसात के समय जो समस्या बनी हुई थी वह अब भी बारिश समाप्त होने

खास बात

- निकासी की व्यवस्था नहीं होने का खामियाजा भुगत रहे क्षेत्रवासी

सड़क पर बहता पानी।

के बाद भी बनी हुई है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण फैक्ट्रियों की पानी मुख्य सड़कों में बहाया जा रहा है। जिसका खामियाजा आसपास के रहने वाले क्षेत्रवासियों को उठाना पड़ रहा है। नगर निगम की ओर से पानी निकासी की व्यवस्था के लिए नाली निर्माण की व्यवस्था किया गया था जिसके पाट दिया गया है।

नगर निगम के वार्ड में शामिल कई वार्ड ऐसे हैं जो अभी भी ग्रामीण पृष्ठभूमि जैसे नजर आते हैं। इसका नजारा खरमोरा वार्ड में नजर आता है। जहां स्ट्रीट लाइट के खंभे तो लगे हैं किंतु लाइट अब तक नहीं लगी। इसके अलावा फैक्ट्रियों के आसपास बसे रिहायशी इलाकों के सड़कों में फैक्ट्रियों से निकलने वाले पानी को बहाया जा रहा है। जिससे सड़क कीचड़युक्त हो गई है, कुछ एरिया में ऐसा भी नजर आया कि फैक्ट्रियों का पानी सड़क में इस कदर बह रहा है कि वह सामने निवास करने वाले स्थानीय व्यक्तियों के घरों तक पहुंच गया है उनके द्वारा भी फैक्ट्रियों के पानी को सड़कों में बहाये जाने की जानकारी दी गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि फैक्ट्री संचालकों के द्वारा बेकार पानी को खुले में बहाया जा रहा है। जबकि फैक्ट्री के अंदर इतनी जगह है कि वहां सोकता का निर्माण कर पानी को डंप किया जा सकता है। इस ओर न तो निगम प्रशासन का ध्यान है और न ही फैक्ट्री संचालकों ने स्थानीय निवासियों की समस्याओं पर ध्यान दिया। जिसकी वजह से स्थानीय लोगों का आक्रोश फैक्ट्री संचालकों के प्रति भड़क रहा है।

शिक्षक 24 से हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में 24 अक्टूबर को सरकारी विद्यालयों में अध्यापन कराने वाले सभी शिक्षक सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल पर जाएंगे। हड़ताल का उद्देश्य शिक्षकों की कई लंबित मांगों के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करना है, जिसमें विशेष रूप से वेतन विसंगति, संविलियन पूर्व सेवा गणना, पुरानी पेंशन योजना, क्रमोन्नति, और महंगाई भत्ता एरियर्स जैसे मुद्दे शामिल हैं।

मोर्चा के पदाधिकारी प्रमोद सिंह राजपूत, मनोज चौबे, राजेंद्र ने बताया कि सरकार ने 4त्न महंगाई भत्ते की घोषणा की है, जिसका स्वागत है, लेकिन बकाया 9 माह का महंगाई भत्ता एरियर्स के रूप में नगद या त्रक्कस्न खाते में जमा होना चाहिए। इसके अलावा, केंद्र सरकार के समान देय तिथि से डीए प्रदान करने की भी मांग की गई है। संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि एलबी संवर्ग के शिक्षकों को विशेष रूप से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक इस दिन अवकाश लेकर प्रदर्शन में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे, ताकि शासन-प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान दे और त्वरित कार्रवाई करे।

बीच बस्ती में मटन दुकान वार्डवासियों में नाराजगी

वह मटन दुकान जिसका विरोध कर रहे वार्डवासी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 11 रहमानिया चौक पर कुछ दिनों से मुर्गा एवं मटन दुकान का संचालन किया जा रहा है। इस स्थान के

खास बात

- पार्षद के नेतृत्व में महिलाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आसपास मंदिर होने की वजह से यहां निवासरत लोगों की आस्था को ठेस पहुंचने के कारण नाराजवार्ड वासियों ने पार्षद के साथ कटघोरा अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

वार्ड क्रमांक 11 रहमानिया चौक के पास मुर्गा मटन की दुकान संचालित की जा रही है। पुरानी बस्ती की महिलाएं खुले में मटन लटका के रखने के कारण उस रास्ते में आना-जाना छोड़ दिए हैं। इस मामले को लेकर कटघोरा नगर पालिका परिषद वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद कोमल जायसवाल द्वारा लिखित में आवेदन दिया गया था, जिसपर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। खुले में दिखने के कारण वार्ड के आवारा कुत्तों के द्वारा मांस के अवशिष्ट को मोहल्ले वासियों के दरवाजे में छोड़कर चले जाते हैं। वहीं समीप में भगवान हनुमान का मंदिर है। मांस की बदबू से वार्ड के लोग काफी परेशान हो गए हैं। ज्ञात हो कि नगर पालिका कटघोरा के द्वारा मंडी रोड में मटन बेचने का स्थान तय किया गया है। इसके बावजूद बस्ती के बीच मटन मुर्गा का मांस बेचा जा रहा है। जिससे नाराज़ वार्ड 10 व 11 के पार्षद व बड़ी संख्या में वार्डवासी कटघोरा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रोहित सिंह को लिखित में ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में महिलाओं ने अपनी इस समस्या से अवगत कराया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रोहित सिंह ने मामले पर गंभीरता दिखाते हुए तत्काल कटघोरा नगर पालिका परिषद के सीएमओ ज्ञानपुंज कुलमित्र को निर्देशित किया और बस्ती बीच संचालित मुर्गा एवं मटन दुकान को तत्काल बन्द कराने के आदेश दिए।

स्कूल में चलाया गया साइबर जन जागरूकता अभियान

कोरबा। सजग कोरबा अभियान के तहत पुलिस विभाग द्वारा लोगों को सायबर अपराध से बचाने के लिए 5 से 19 अक्टूबर तक साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विनायक पब्लिक स्कूल में बांकी मोंगरा पुलिस थाने के टीआई तेज कुमार यादव द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बढ़ते साइबर अपराधों से अवगत कराना और उनसे बचने के प्रभावी उपाय प्रदान करना था।

कॉलेज समस्याओं को लेकर विद्यार्थी परिषद ने सौंपा ज्ञापन

पीजी कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शासकीय पीजी कॉलेज में छात्र समस्याओं को लेकर अखिल विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री निहाल सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर समस्या के निराकरण की मांग की है। प्राचार्य को सौंपे ज्ञापन में नगर मंत्री श्री सोनी ने बताया कि पीजी कॉलेज जिले का अग्रणी महाविद्यालय है और शिक्षण सत्र शुरु हो चुका है। यहां छात्र-छात्राओं को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसमें एक गर्ल्स कॉमन रूम चालू कर, विषय शिक्षक के लिए शिक्षक की भर्ती, सुरक्षाकर्मी, दूर से आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास संचालित किया जाए, महाविद्यालय परिसर में शुद्ध पेयजल हेतु वाटर फिल्टर एवं वाटर कूलर, इच्छुक विद्यार्थियों के लिए खेल के सामग्री, प्रायोगिक सामग्री, महाविद्यालय परिसर के बागवानी हेतु फूल फुलवारी एवं माली एवं महाविद्यालय परिसर एवं खेल परिसर हेतु सफाई कर्मी की नियुक्ति की जाए।

पृष्ठ 1 का शेष

भूविस्थापितों का 21 को...

जीवन स्तर सुधरने के बजाय और भी बदतर हो गई है। 40-50 वर्ष पहले कोयला उत्खनन करने के लिए किसानों की हजारों एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। विकास की जो नींव रखी गई है उसमें प्रभावित परिवारों की अनदेखी की गई है। पुराने लंबित रोजगार, को लेकर एसईसीएल गंभीर नहीं है और बिलासपुर मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय में हुए हर बैठक में केवल गुमराह करने और आंदोलन को टालने का काम अधिकारियों ने किया है जिससे अक्रोशित भू विस्थापितों ने किसान सभा के नेतृत्व में भू विस्थापितों की समस्याओं को लेकर उग्र आंदोलन की तैयारी कर रहे है। भूविस्थापित किसान 1084 दिनों से अनिश्चित कालीन धरना पर बैठे हैं। एसईसीएल कुसमुंडा कार्यालय के सामने बैठक कर नारेबाजी करते हुए बड़ी संख्या में भू विस्थापित किसान एकजुट हुए भू विस्थापितों ने कहा की 21 अक्टूबर को कुसमुंडा खदान बंद आंदोलन में प्रभावित गांव के पीड़ति भू विस्थापित परिवार सहित शामिल होंगे इस बार समस्याओं के समाधान तक अनिश्चित कालीन आंदोलन होगा।

मल्टीकैप फंड निवेश का बेहतरीन विकल्प

एक साल में 56% तक रिटर्न

● शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद भी बढ़िया रिटर्न देने में अव्वल ● म्यूचुअल फंड के जरिये संतुलित निवेश करने से नहीं होती परेशानी ● लंबी अवधि का निवेश कभी भी धोखा नहीं देता, लक्ष्य तक पहुंचाता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उथल पुथल के बावजूद मल्टीकैप फंड निवेश का बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहे हैं और निवेशकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। मल्टीकैप फंडों ने एक साल में 56% तक का रिटर्न दिया है। इससे एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इन फंडों में निवेश के लिए जरूरी है थोड़ा सा संयम के साथ निवेश किया जाए और अपने वित्तीय लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए धीरे-धीरे एसआईपी के जरिये पैसे लगाएं। इससे आसानी निवेश को बढ़ा पाएंगे। मल्टीकैप फंड बिकवाली के दौर में ग्रोथ पर रहे हैं। पिछले छह कारोबारी दिनों में निवेशकों के करीब 20 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो चुके हैं। ऐसे में रिटेल इनवेस्टर्स परेशान हैं। हां, जिन्होंने म्यूचुअल फंड में निवेश किया और संतुलित निवेश करने वाले फंड में पैसे लगाए हैं, वे बेफिक्र हैं। चूंकि कहा भी गया है कि लंबी अवधि का निवेश कभी भी धोखा नहीं देता और आसानी से निवेश के लक्ष्य तक पहुंचा सकता है। इसलिए बाजार के जानकार सुझाव देते हैं कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं।

मल्टी कैप फंड क्या हैं

मल्टी-कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में निवेश करती है। मल्टी-कैप फंड में, कुल एसेट का न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी से संबंधित इंस्ट्रूमेंट में इन्वेस्ट करना आवश्यक है। इसके अलावा, ये फंड लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में कम से कम 25% इन्वेस्ट करने की उम्मीद है।

मल्टी कैप फंड कैसे काम करते हैं

मल्टी-कैप फंड में मार्केट कैपिटलाइज़ेशन में कंपनियों के स्टॉक में इन्वेस्ट करने की सुविधा होती है, जब तक वे ऊपर उल्लिखित 25% शर्तों को बनाए रखते हैं। हालांकि, प्रत्येक पूंजीकरण में निवे श का वितरण फंड मैनेजर की रणनीति पर निर्भर करता है। इक्विटी जोखिम भरा होता है, लेकिन उनके भीतर, जोखिम की मात्रा अलग-अलग होती है। व्यापक स्टॉक मार्केट के आधार पर, फंड मैनेजर रिटर्न को अधिकतम करने के लिए होल्डिंग को एडजस्ट कर सकता है।

संतुलित निवेश कहां

पर्सनल फाइनेंस के जानकारों का कहना है कि संतुलित निवेश के लिए मल्टीकैप फंड एक बेहतर साधन हो सकता है। यह एक ऐसी स्कीम है जो सभी मार्केट कैप मतलब कि लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में निवेश करती है। बाजार की गिरावट में जहां लार्ज कैप शेयर सुरक्षा प्रदान करते हैं वहीं मिड और स्मॉल कैप शेयर फायदा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कोई भी एक मार्केट कैप लगातार बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकता है। इसलिए निवेशकों को एसेट अलोकेशन के तहत सभी मार्केट कैप में निवेश करना चाहिए।

डायवर्सिफिकेशन का फायदा

निवेश गुरुओं का कहना है कि आपके गुलदस्ते में हर तरह के फूल होने चाहिए। बस, इसी सिद्धांत पर मल्टीकैप फंड चलता है। उनका जोखिम और रिटर्न एक बाजार पर केंद्रित होने के बजाय पूरे बाजारा पूंजीकरण पर केंद्रित होता है। आप भी देखिए कि हर बाजार का रिटर्न अलग रहा है। सालाना आधार पर साल 2023 में निफ्टी 100 टीआरआई का रिटर्न 21 फीसदी रहा है जबकि निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 45 फीसदी रहा है। निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआी का भी रिटर्न 49 पर्सेंट रहा है। मल्टीकैप में एक जाना माना नाम एक्सिस म्यूचुअल फंड है। इस फंड ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक निवेशकों को लगातार बेहतर फायदा दिया है।

किस फंड हाउस का कितना रिटर्न

हम यहां मल्टीकैप के वैसे फंडों का जिक्र कर रहे हैं, जिन्होंने बीते एक साल में 50 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें एक्सिस के मल्टीकैप ने सर्वाधिक 56.02 फीसदी का रिटर्न दिया है। कोटक मल्टीकैप की स्कीम ने 52.83 फीसदी, एचएसबीसी की स्कीम ने 51.90 फीसदी और एलआईसी मल्टीकैप की स्कीम ने 51.37 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने इन फंडों में एक साल पहले एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो एक ही साल में वह रकम अब 1.56 लाख रुपये हो गई होती।

कहां होता है निवेश

मल्टीकैप फंड लार्जकैप, मिडकैप,स्मॉलकैप और डायनॉमिक में 25-25 फीसदी का निवेश करता है। आपको पता ही होगा कि लार्जकैप फंड बड़ी कंपनियों में निवेश करता है। मिडकैप फंड मिडकैप कंपनियों के अवसरों को पकड़ता है, जबकि स्मॉलकैप उभरते हुए अवसरों में निवेश करता है। अगर एक्सिस म्यूचुअल फंड के मल्टीकैप की बात करें तो इसने सर्वाधिक निवेश वित्तीय सेवाओं, ऑटोमोबाइल और उसके कलपुर्जे, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, आईटी, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल में किया है। यह सभी ऐसे सेक्टर हैं जो बाजार के हर माहौल में निवेशकों को सुरक्षा देने के साथ साथ उनके निवेश पर अच्छा रिटर्न देते हैं।

मल्टी-कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप-फोकस्ड फंड

इन फंड में, फंड मैनेजर लार्ज कैप फंड को अधिक वेटेज देता है जो समग्र पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करने की संभावना होती है। यह फंड मैनेजर को मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक के मिश्रण में शेष कॉर्पस को निवेश करने के लिए लीवे देता है, जिनमें अच्छे विकास के अवसर और रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है।

मिड-कैप स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड

इन फंड में, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक के लिए वेटेज दिया जाता है। इस प्रकार, ये फंड मिड-कैप्स और स्मॉल कैप फंड से अधिक आक्रामक दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं, लार्ज-कैप स्टॉक से जोखिम भरा हो सकता है लेकिन बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखते हैं।

कोई विशिष्ट फोकस नहीं

इन प्रकार के मल्टी-कैप फंड प्रत्येक मार्केट कैप में आवश्यक न्यूनतम निवेश करने के अलावा किसी विशेष मार्केट कैप पर ध्यान नहीं केंद्रित करते हैं। लार्ज-कैप्स, मिड-कैप्स और स्मॉल-कैप्स के बीच का वेटेज फंड मैनेजर की स्ट्रेटेजी, स्टॉक वैल्यूएशन और मार्केट की कुल स्थितियों के आधार पर अलग-अलग हो सकता है।

एक साल में 65% से ज्यादा मुनाफा देने वाली म्यूचुअल फंड की स्कीम

- लॉन्ग टर्म एसआईपी रिटर्न में भी रही चैंपियन
- म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम भी स्टॉक मार्केट की तरह दे रही रिटर्न
- इन स्कीमों में निवेशकों ने कमाया बढ़िया मुनाफा
- छोटे से अमाउंट से भी बना दिया करोड़ों का फंड
- लंबी अवधि में भी रिटर्न देने का ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

एक साल के लिए आप कहीं पैसा लगाएं और आपको 65 से 85 फीसदी रिटर्न मिल जाए। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा तो स्टॉक मार्केट में ही पॉसिबल है, लेकिन अब म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम भी स्टॉक मार्केट की ही तरह रिटर्न देने लगी हैं। बाजार में ऐसे कई इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं, जिनमें सिर्फ 1 साल में 65 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिल गया है। वहीं, इसका लंबी अवधि में भी रिटर्न देने का ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत है। तभी तो इन स्कीम ने 5 साल की एसआईपी का रिटर्न चेक करें तो ये चैंपियन साबित होती हैं। ऐसे फंडों में पैसा लगाने से निवेशकों को अच्छा रिटर्न मिल सकता है और वे अपने छोटे से अमाउंट को को बढ़िया फंड में तबदील कर सकते हैं। हालांकि कहा भी गया है कि शेयर बाजार का रिटर्न रिस्क के अधीन होता है, लेकिन कुछ म्युचुअल फंडों ने बढ़िया रिटर्न देकर निवेशकों को रिझाया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंड जो 1 साल का रिटर्न 65 फीसदी या इससे ज्यादा दे रहे हैं।

इन फंडों का रिटर्न रहा बेहतर

सीपीएसई ईटीएफ
- 1 साल में रिटर्न : 85.71%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 48.65%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 19,24,588 रुपये

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड
- 1 साल में रिटर्न : 72.56%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 42.86%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 16,89,128 रुपये

एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड
- 1 साल में रिटर्न : 68.39%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 39.01%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 15,46,959 रुपये

बंधन इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड
- 1 साल में रिटर्न : 66.42%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 41.57%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 16,40,280 रुपये

निप्पॉन इंडिया निफ्टी नेक्स्ट 50 जूनियर बीईएस एफओएफ
- 1 साल में रिटर्न : 66.35%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 28%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 11,94,003 रुपये

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी नेक्स्ट 50 ईटीएफ

- 1 साल में रिटर्न : 66.11%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 28.21%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 12,01,786 रुपये

यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 ईटीएफ
- 1 साल में रिटर्न : 66.09%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 28.22%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 12,01,860 रुपये

एसबीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 ईटीएफ
- 1 साल में रिटर्न : 66.06%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 28.13%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 11,99,536 रुपये

निप्पॉन इंडिया ईटीएफ निफ्टी नेक्स्ट 50 जूनियर बीईएस
- 1 साल में रिटर्न : 66%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 28.08%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 11,98,042 रुपये

डीएसपी निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड
- 1 साल में रिटर्न : 65.68%
- 5 साल की एसआईपी का रिटर्न सालाना : 27.93%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की वैल्यू : 11,93,855 रुपये

स्टॉक मार्केट से सेफ है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर है। असल में किसी म्यूचुअल फंड स्कीम में अलग अलग कंपनियों के स्टॉक शामिल होते हैं। वहीं कुछ स्कीम में अलग अलग सेक्टर से अलग अलग स्टॉक निवेश के लिए चुने जाते हैं. इससे पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है।

रिटर्न मिलने के चांस क्यों ज्यादा

म्यूचुअल फंड में काबिल और अनुभवी फंड मैनेजर की देखरेख में निवेश किया जाता है। फंड मैनेजर अपनी स्टडी या रिसर्च के आधार पर किसी म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में शेयरों को शामिल करता है। उनका ध्यान मजबूत ग्रोथ वाली और मुनाफा कमाने वाली कंपनियों पर होता है, ताकि इसका फायदा स्टॉक में ग्रोथ के रूप में मिले।

(डिस्क्लेमर : किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होती है, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)

सितंबर में एसआईपी के जरिये नई ऊंचाई पर पहुंचा निवेश

- एसआईपी एयूएम ने भी नाया नया रिकॉर्ड
- एएमएफआई की रिपोर्ट में दावा, सितंबर 2024 में 27 नई म्यूचुअल फंड स्कीम्स लॉन्च हुईं - म्यूचुअल फंड फोलियो और रिटेल फोलियो भी नई ऊंचाई पर पहुंचे
- निवेशकों ने जमकर पैसा कमाया, आगे भी बढ़त जारी रहने के आसार
- म्यूचुअल फंड एसआईपी ने सितंबर 2024 में बनाया नया कीर्तिमान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में निवेश के लिए कई स्कीमें मौजूद हैं, जो लोगों को लुभाती रहती हैं। लेकिन एसआईपी के जरिये निवेश करना और लंबी अवधी के लिए किया गया निवेश कभी भी आपको रुसवा नहीं करता। लक्ष्य तय कर निवेश करने से कभी नुकसान नहीं होता। हालांकि निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी देख लेना चाहिए। इस बार सितंबर माह को देखा जाए तो एसआईपी के जरिये किया गया निवेश नई ऊंचाई पर पहुंचा और निवेशकों ने बढ़िया रिटर्न बटोरा है। जानकारों को कहना है कि सितंबर में करीब 27 नई म्यूचुअल फंड स्कीम्स लॉन्च हुईं हैं। जो बढ़िया रिटर्न दे सकती हैं। सितंबर 2024 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में कंट्रीब्यूशन और एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट) दोनों ही अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए हैं।

इसलिए सितंबर रहा खास

इसके अलावा सितंबर 2024 इसलिए भी खास रहा है कि इस साल इस माह में कुल मिलाकर 27 नई म्यूचुअल फंड स्कीम्स लॉन्च हुईं, जो सभी ओपन-एंडेड कैटेगरी में थीं। इन स्कीम्स ने कुल 14,575 करोड़ रुपये जुटाए। इससे साफ संकेत मिलते हैं कि म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लगातार पॉपुलर बने हुए हैं और लोग इन्हें बेहतर इन्वेस्टमेंट ऑप्शन के तौर पर बड़े पैमाने पर अपना रहे हैं। जानकारों का कहना है कि लंबे समय तक एसआईपी के जरिये किया गया निवेश बढ़िया मुनाफा दे सकता है, यदि धैर्य रखा जाए तो यह निवेश का एक बेहतर ऑप्शन है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की कुल संपत्ति

सितंबर 2024 में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का कुल नेट एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 67,09,259.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो अगस्त 2024 में 66,70,305.14 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, 43 महीनों से लगातार इक्विटी में सकारात्मक इनफ्लो देखने को मिल रहा है, जो मार्च 2021 से चला आ रहा है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के एसआईपी से जुड़े आंकड़े

- सितंबर में एसआईपी कंट्रीब्यूशन: 24,508.73 करोड़ रुपये
- सितंबर में एसआईपी एयूएम : 13,81,703.94 करोड़ रुपये
- सितंबर में एसआईपी अकाउंट्स की संख्या: 9,87,44,171 (अगस्त में 9,61,36,329 थी)
- सितंबर में नए एसआईपी रजिस्ट्रेशन: 66,38,857

म्यूचुअल फंड फोलियो और रिटेल एयूएम

- सितंबर में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या: 21,05,15,684 (अब तक की सबसे ज्यादा)
- सितंबर में रिटेल एमएफ फोलियो: 16,81,61,366
- सितंबर में रिटेल एयूएम : 40,44,098 करोड़ रुपये

म्यूचुअल फंड्स वेल्थ क्रिएशन का भरोसेमंद जरिया

जानकारों का कहना है कि सितंबर 2024 के आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की स्थिरता और बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। एसआईपी के जरिए निवेशकों का लगातार निवेश करना यह दिखाता है कि म्यूचुअल फंड्स लंबी अवधि के लिए वेल्थ क्रिएशन का एक भरोसेमंद साधन बन गए हैं। कुल मिलाकर सितंबर का महीना म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के लिए काफी बढ़िया रहा है। एसआईपी के जरिए निवेश में लोगों का भरोसा और बढ़ा है, और इंडस्ट्री ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। अगर आप भी म्यूचुअल फंड्स के जरिए अपने फाइनेंशियल टार्गेट हासिल करना चाहते हैं, तो एसआईपी के जरिये अनुशासित ढंग से लंबी अवधि के लिए निवेश की रणनीति पर अमल कर सकते हैं।

तरकश

संजय के दीक्षित

हाफ पैंट में अपराधी, लहू विहीन पुलिस

सूरजपुर घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बंद कमरे में पुलिस अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उनका प्वाइंटेड प्रश्न था...आरोपी जब एक दिन पहले थाने में आकर धमका गया था तो पुलिस एक्शन में क्यों नहीं आई? अपराधियों के खिलाफ पुलिस सख्ती क्यों नहीं बरत रही? सीएम का गुस्सा जायज था। वैसे गुस्से में आम पब्लिक भी है और सूबे के 70 हजार पुलिस परिवार भी। पुलिस ने बलरामपुर बस स्टैंड में नाटकीय ढंग से मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की, उससे पुलिस परिवारों का खून खौल गया। आरोपी हाफ पैंट में ठसन के साथ चल रहा था और पुलिस उसके साथ फोटो और वीडियो बनवा रही थी। पुलिस अधिकारियों के मानसिक दिवालियापन की पराकाष्ठा तब हो गई, जब हाफ पैंट में ही आरोपी को प्रेस के सामने पेश कर दिया। जिस समय पुलिस बलरामपुर में अपराधी के साथ फोटो सेशन करवा रही थी, उसी दौरान टीवी पर यूपी के बहराइच कांड के जख्मी आरोपी का वीडियो चल रहे थे, जिसमें वह कराह रहा था...साब गल्ती हो गई, अब कभी ऐसा नहीं होगा। एनकाउंटर में दोनों के पैर में गोली लगी थी। और हमारी छत्तीसगढ़ की पुलिस...? बताते हैं, मुख्य आरोपी को बचाने उसके पुलिसिया खैरख्वाह एक्टिव हो गए थे। योजनाबद्ध ढंग से उसे गढ़वा से बुलाया गया, यह गारंटी देकर कि कुछ नहीं होगा, आ जाओ। फिर स्टोरी प्लांट की गई...गढ़वा से अंबिकापुर आ रहा था। तभी पुलिस को इनपुट मिले और उसे बलरामपुर बस स्टैंड में दबोच लिया गया। पता नहीं, छत्तीसगढ़ पुलिस में पानी बचा है या नहीं। हेड कांस्टेबल के घर में घुसकर पत्नी और बेटी की हत्या हो जाती है, उसके बाद भी लहू गरम नहीं होता। मुख्य आरोपी के अहसान से दबे सूरजपुर पुलिस का एक धड़ा उसे बचाने में जुट गया है। जाहिर है, सीजी पुलिस के लिए आजकल सबसे बड़ा रुपैया हो गया है...ईमान-धरम सब पीछे।

पुलिस अफसर और जुआ

राजधानी रायपुर से लगे अमलेश्वर में कुछ सीनियर राजपत्रित पुलिस अधिकारी हाई प्रोफाइल जुआ खिलवा रहे थे। खुफिया चीफ अमित कुमार को इसकी भनक लग गई। उन्होंने अधिकारियों को बुलवाकर जमकर हड़काया। दिल्ली से 12 साल बाद छत्तीसगढ़ लौटे अमित हैरान थे कि छत्तीसगढ़ पुलिस को आखिर क्या हो गया है...पैसे के लिए पुलिस इतनी नीचे गिर जाएगी! दरअसल, अतीत में जो हुआ, वह पोलिसिंग को चौपट कर दिया। वर्दी वालों को पैसे की ऐसी लत लग गई कि छत्तीसगढ़ में कौन अफसर काबिल और कौन नाकाबिल...इसका भेद खतम हो गया है। सट्टा और जुआ ने कई उर्जावान अफसरों का कैरियर चौपट कर डाला। हालत यह है कि सरकार एक आईजी लॉ एंड आर्डर बनाना चाहती है मगर इसके लायक कोई अफसर नहीं दिखाई पड़ रहा।

महिला पुलिस और उपयोगिता

छत्तीसगढ़ पुलिस की ट्रेनिंग चौपट हो गई है, उपर से लाखों रुपए खर्च कर ट्रेनिंग हो रही, उसका भी उपयोग नहीं किया जा रहा। सूबे में ढाई-तीन दर्जन महिला डीएसपी, एडि. एसपी होंगी। इनमें से अधिकांश बटालियन या फिर चिटफंड और आईयूसीएडब्लू में पोस्टेड हैं। सवाल उठता है कि पीएससी में सलेक्ट होकर सीट अकुपाई करने वाली महिला पुलिस अधिकारी फील्ड में काम क्यों नहीं करना चाहतीं और पुलिस मुख्यालय पोस्टिंग के समय इस पर गौर क्यों नहीं करता? महिला पुलिस अधिकारी एसी चेंबर, गाड़ी, बंगला और अर्दली से ही संतुष्ट क्यों हो जा रही...पीएचक्यू को इसकी स्टडी करानी चाहिए। हालांकि, इससे इंकार नहीं कि महिला अधिकारियों के लिए व्यवस्थागत खामियां भी है। छत्तीसगढ़ में एक से बढ़कर एक गृह मंत्री और डीजीपी हुए मगर आज तक किसी ने ये नहीं सोचा कि महिला सिपाही या अधिकारी को फील्ड में ड्यूटी लगाई जाएगी तो वे वॉशरुम कहां जाएंगी। वीआईपी के लिए चलित शौचालय का बंदोबस्त हो जाता है मगर किराये की गाड़ी के नाम पर हर साल कई करोड़ रुपए बहाने वाली पुलिस अपने महिला स्टाफ के लिए एक मोबाइल टॉयलेट नहीं खरीद सकती। दूसरा, पीएचक्यू को ये भी देखना चाहिए कि पुरूष प्रभुत्व सिस्टम में महिला अफसरों के साथ कोई नाइंसाफी तो नहीं हो रही। बहरहाल, समाज में डे-टू-डे महिला अपराध बढ़ रहे, तब महिला पुलिस अधिकारियों की फील्ड पोस्टिंग और जरूरी हो जाती है।

ब्यूरोक्रेसी और रिफार्म

जब देश में अंग्रेजों के टाईम के कानून बदले जा रहे हैं...तब छत्तीसगढ़ का राजस्व विभाग ने तहसीलदारों के आगे घूटने टेकते हुए उन्हें अंग्रेजों की बनाई न्यायालयीन संरक्षण उपलब्ध करा दिया। याने अब बिना विभागीय अनुमति के तहसीलदारों, नायब तहसीदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। असल में, नौकरशाही के साथ दिक्कत यह है कि सिस्टम के सुधार में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। चूकि, इसमें रिस्क होता है, इसलिए ब्यूरोक्रेसी की सिंगल लाईन होती है...जैसा चल रहा, चलने दो। खैर...छत्तीसगढ़ का पड़ोसी राज्य तेलांगना ने राजस्व न्यायालय को समाप्त कर दिया है। मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश जैसे कई राज्यों में ऋण पुस्तिका की भी अब आवश्यता नहीं। अनेक ऐसे स्टेट हैं, जहां रजिस्ट्री होते ही आटोमेटिक नामंतरण हो जाता है। और इधर छत्तीसगढ़ में....। राजस्व महकमे के मुलाजिमों से वैसे भी पब्लिक त्राहि माम कर रही है। खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी एकाधिक बार स्वीकार कर चुके हैं कि सबसे अधिक उनके पास राजस्व विभाग की शिकायतें आती है। कलेक्टर कांफ्रेंस में पहली बार अबकी राजस्व, बंटवारा और नामंतरण का एजेंडा सबसे उपर रखा गया था। बावजूद इसके राजस्व विभाग ने राजस्व अधिकारियों के आगे नतमस्तक हो गया, तो फिर क्या कहा जा सकता है।

फिर बर्खास्त क्यों नहीं?

जाहिर है, राजस्व अधिकारी आएं-बाएं फैसला पारित करते हैं और न्यायालय की आड़ में बच जाते हैं। उनके गलत फैसलों पर कभी कोई कार्रवाई नहीं होती। राजस्व विभाग में कोई विजिलेंस सेल नहीं है। जबकि, ज्यूडिशरी में निगरानी का अपना एक सिस्टम है। जजों को विशेष संरक्षण मिला है मगर वो अगर गलत फैसला देते हैं, तो हाई कोर्ट के राडार पर आते हैं और साल में 10-12 जजों की बर्खास्तगी भी होती है। किन्तु गलत फैसले के लिए आपने कभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को बर्खास्त होते देखा है? जब दोषपूर्ण फैसलों पर राजस्व अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं तो फिर उन्हें विशेष संरक्षण क्यों? सिस्टम को इस पर विचार करना चाहिए। क्योंकि, सबसे अधिक अगर किसी विभाग में करप्शन है तो वह राजस्व विभाग है। पिछले हफ्ते एक महिला आईएएस ने किसी रिश्तेदार के नाम पर एक जमीन का नामंतरण कराया। उन्हें नामंतरण और सीमांकन के लिए दो लाख रुपए देने पड़े, तब जाकर काम हो पाया। दरअसल, अंग्रेजी शासन के प्रारंभ में कलेक्टरों को फांसी देने का अधिकार होता था। बाद में ये पावर ले लिया गया। मगर सिविल मामलों का अधिकार इसलिए उनके पास यथावत रखा क्योंकि, उस समय लगान से ही सरकार को मुख्य राजस्व प्राप्त होता था। उस समय सरकार के पास पैसे होते नहीं थे। इसीलिए कलेक्टर नाम पड़ा...रेवेन्यू कलेक्ट करने वाला। राजस्व अमलों को न्यायालयीन अधिकार करप्शन को ढकने का एक बड़ा प्रोटेक्शन बन गया है।

आईएएस की पोस्टिंग

2004 बैच के आईएएस अमित कटारिया अगले महीने छुट्टी से लौट आएंगे। वे एक सितंबर को सात साल का डेपुटेशन कंप्लीट कर दिल्ली से लौटे थे। ज्वाईन करने के बाद वे दो महीने के अवकाश पर चले गए थे। अगले महीने वे लौटेंगे तो सचिव स्तर पर एक सर्जरी होगी। कटारिया चूकि भारत सरकार से लौट रहे हैं, इसलिए उन्हें ठीकठाक ही पोस्टिंग मिलेगी। कटारिया कवर्धा, रायगढ़ और बस्तर के कलेक्टर के साथ ही नगर निगम कमिश्नर रह चुके हैं। निगम कमिश्नर के तौर पर रायपुर में मंत्रालय, मोतीबाग, बस स्टैंड के आसपास के बेजा कब्जा हटाने में अमित की अहम भूमिका रही।

पिंगुआ को वेट

एसीएस मनोज पिंगुआ के पास इस समय चार विभाग हैं। गृह, जेल, हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन। छत्तीसगढ़ लेवल के अन्य राज्यों में इन चारों विभाग के लिए चार अलग-अलग सिकरेट्री होते हैं। रजत और रोहित यादव के दिल्ली से लौटने पर हुई सर्जरी में हेल्थ से पिंगुआ से हेल्थ हटने की चर्चाएं थी मगर ऐसा हुआ नहीं। अब अमित कटारिया छत्तीसगढ़ लौट रहे हैं तो फिर कहा जा रहा कि उन्हें हेल्थ दिया जाएगा। मगर अंदर से जो खबरें आ रही, उसके मुताबिक पिंगुआ को विभागों के लोड से हल्का होने के लिए अभी और इंतजार करना होगा। क्योंकि, अमित को एक डिप्टी सीएम का विभाग मिलने वाला है।

बिफोर प्रमोशन

छत्तीसगढ़ में सचिवों की भरमार हो गई है मगर प्रमुख सचिव स्तर पर अधिकारियों की भारी कमी है। इसको देखते चर्चा है 2000 बैच के साथ ही 2002 बैच का प्रिंसिपल सिकरेट्री पद प्रमोशन दे दिया जाएगा। मंत्रालय में सिस्टम का बैकबोन होता है। याने क्रिकेट की भाषा में कहा जाए तो मध्यक्रम के बल्लेबाज। छत्तीसगढ़ में सिर्फ दो ही पीएस हैं। निहारिका बारिक और सोनमणि बोरा। गौरव द्विवेदी, मनिंदर कौर द्विवेदी और सुबोध सिंह पीएस हैं मगर वे इस समय सेंट्रल डेपुटेशन पर हैं। 99 बैच के बोरा पिछले साल प्रमुख सचिव बने थे। उनके बाद 2000 बैच में शहला निगार हैं। जनवरी में शहला भी पीएस बन जाएंगी। उनके बाद 2001 बैच खाली है। 2002 में डॉ0 रोहित यादव और डॉ0 कमलप्रीत सिंह हैं। प्रमुख सचिव के पोस्ट भी काफी हैं। सो, समझा जाता है शहला के साथ रोहित और कमलप्रीत भी प्रमुख सचिव बन जाएंगे। इससे पहले कई बार ऐसा हो चुका है जब समय से पहले अफसरों को प्रमोशन दिया गया। सीके खेतान और आरपी मंडल को छह महीने पहले प्रमुख सचिव बना दिया गया था। तो पिछली सरकार में रेणु पिल्ले को छह महीने पहले एसीएस बनाया गया तो सुब्रत साहू डेढ़ साल पहले एसीएस प्रमोट हो गए थे। प्रमुख सचिव की संख्या बढने पर सरकार के पास विकल्प रहेगा कि वह कुछ महत्वपूर्ण विभागों में सचिव के उपर प्रमुख सचिव पोस्ट कर दें। मध्यप्रदेश में चूकि अधिकारियों की संख्या काफी है, इसलिए वहां लगभग सारे विभागों में प्रमुख सचिव रहते हैं। कई में सिकरेट्री, प्रिंसिपल सिकरेट्री के उपर एडिशनल चीफ सिकरेट्री भी होते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे

1. ऋता शांडिल्य पीएससी की कार्यकारी अध्यक्ष बनी रहेंगी या किसी शिक्षाविद को पूर्णकालिक चेयरमैन बनाया जाएगा?
2. मुख्यमंत्री के बाद क्या अब मंत्री और अधिकारी भी नया रायपुर जाएंगे रहने?

Since - 1968
Silver Center
The Jewellers
www.shrisilvercenter.in
करवा चौथ
स्पेशल ऑफर
हर मंगलसूत्र की खरीदी पर
सोने का सिक्का फ्री*
SILVER CENTER
JEWELLERS
श्री सिल्वर सेंटर
हमारे गहनें ही हमारे विश्वास की पहचान हैं...
सन् 1968 से अनवरत् आपकी सेवा में...
सिल्वर सेंटर
The Jewellers
Exclusive Showroom of Diamond, Gold Silver & Real Stones
916 हालमार्क देखकर ही ज्वेलरी खरीदें।
T & C Apply*
पॉवर हाऊस रोड, कोरबा (छ.ग.)
9111600500

खबर संक्षेप

स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कल से

कोरबा। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 21 अक्टूबर से जिले से शुरू होगी। इस प्रतियोगिता में 2 खेलों क्रिकेट एवं नेटबॉल को शामिल किया गया है। 24 अक्टूबर तक तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा जोन से करीब एक हजार खिलाड़ी कोच मैनेजर शामिल होंगे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए कलेक्टर के मार्गदर्शन में खेल एवं युव कल्याण विभाग, सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी के साथ जिले के सभी व्यायाम शिक्षक लगे हुए हैं।

राजपूत क्षत्रीय समाज की आम सभा आज

कोरबा। राजपूत क्षत्रीय समाज जिला कोरबा की प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली आम सभा की बैठक रविवार को शाम 5 बजे समाज के प्रांगण में आहूत की गई है। बैठक में समाज के सभी आजीवन सदस्यों को अनिवार्य रुप से उपस्थित होने की अपील राजपूत क्षत्रीय समाज के अध्यक्ष ठा अवधेश सिंह ने की है। उन्होंने सभी सदस्यों को आम सभा के बैठक की सूचना भी प्रेषित कर दी है।

सोशल मीडिया में मुख्यमंत्री पर टिप्पणी, व्याख्याता निलंबित

कोरबा। महंगाई भत्ता को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना जिले के एक शिक्षक को भारी पड़ गया। डीपीआई ने तत्काल प्रभाव से व्याख्याता को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। पिछले दिनों राज्य सरकार ने 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाकर 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता राज्यकर्मियों का किया था। हालांकि राज्य सरकार की इस घोषणा से शिक्षक व कर्मचारी खुश नहीं थे। अलग-अलग तरीकों से शिक्षकों ने इसका विरोध भी जताया था। जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोथारी विकासकंड करतला में पदस्थ व्याख्याता नित्यानंद यादव ने इस मुद्दे पर फेसबुक पर मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। सोशल मीडिया पर किये इस पोस्ट पर शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया और नित्यानंद यादव को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। व्याख्याता नित्यानंद यादव को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जिला जांजगीर-चाम्पा अटैच किया गया है।

साहू समाज की हुई बैठक पुनीराम बने मंडल उपाध्यक्ष

कोरबा। जिला साहू समाज का शनिवार को चेक पोस्ट में बैठक आहूत की गई। जिसमें

जिला अध्यक्ष गिरजा साहू जिला के उपाध्यक्ष दिनेश कुमार साहू, निर्वाचित प्रेमलाल साहू, उपाध्यक्ष घनश्याम साहू, कोषाध्यक्ष अमृतलाल साहू केंद्र अध्यक्ष कटघोरा उपाध्यक्ष कटघोरा तहसील ईश्वर साहू, संगठन सचिव संभागीय श्रीमती वंदना साहू, श्रीमती हिंदू उपासना साहू, कार्यवाहक अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ एवं सीपी चौधरी की केवल साहू, बन्नू लाल साहू, बृजेश साहू, वृंदा साहू, सावित्री साहू सहित स्व जाति बंधु शामिल हुए। जिसमें सर्वसम्मति से पुनीराम साहू मंडल उपाध्यक्ष भाजपा को जिला संगठन सचिव नियुक्त किया गया।

श्रमिक संघ सीटू ने 11 मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोरबा। कोयला श्रमिक संघ सीटू कुसमुंडा क्षेत्र के तत्वावधान में बीते दिनों महाप्रबंधक राजीव सिंह को ठेका श्रमिकों की मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें ठेका श्रमिकों को हाई पावर कमेटी की फैसले के आधार पर बोनस देने की चर्चा के दौरान महाप्रबंधक ने दीपावली से पहले बोनस देने की बात कही गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षेत्रिय अध्यक्ष कामरेड सामार सिंह, क्षेत्रिय सचिव कामरेड सजी टी जान, प्रेमपाल सान्डेय मो सद्दाम, आई पी केसरवानी, एलपी टन्डन, मो इरफान, एनी एलेक्स, नरेन्द्र गबेल, राजकुमार, राम कुमार पाण्डेय, एचएल ओझा, आदि उपस्थित रहे। कोयला श्रमिक संघ सीटू ने मांग पत्र के माध्यम से ठेका मजदूरों को बोनस (पीएलआर) भुगतान करने की मांग रखी है जिसमें कोल इंडिया की स्टैंडडाइजेशन कमेटी की बैठक कहा गया कि ठेका मजदूरों को बोनस दिया जाएगा लेकिन प्रबंधक द्वारा यह कह कर बोनस नहीं दिया जाता है कि आप लोग कानूनी प्रावधान में नहीं आते।

वार्ड क्रमांक 16 में 45 लाख की लागत के तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन

पहले लाखों के काम के लिए लगाने पड़ते थे चक्कर अब सांय-सांय हो रहे करोड़ों के कार्य: देवांगन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वार्डों को विकास के लिए बीते कुछ वर्षों में खूब इंतज़ार करना पड़ा, स्थिति यह थी कि वार्डों को 4 लाख के कार्य के लिए महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन 4 करोड़ के कार्य सांय-सांय स्वीकृत भी हो रहे हैं और तेज़ी से प्रारंभ कर पूर्ण भी किए जा रहे हैं।

उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने वार्ड क्रमांक 16 कोहड़िया के जोगियाडेरा में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के आसंदी से कही। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहर के नागरिक कभी नहीं भूले हैं कि किस तरह वार्डों को विकास के लिए तरसाया गया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहर का हर वार्ड मेरा परिवार है और अपने परिवार की समस्या का निदान करना उनकी पहली प्राथमिकता है और इसी प्राथमिकता के आधार पर बीते 9 महीने में 250 करोड़ की राशि निगम को जारी की जा चुकी है। इसमें हर वॉर्ड के कार्यों को शामिल किया गया है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि बीते 10 साल में ऐसा एक साल नहीं गुजरा जब शहर की सड़क नहीं उखड़ी हो, बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले आनन फानन में सड़क बनाई गई थी, जो कुछ महीने में ही उखड़ गई थी। गुणवत्ता नजर अंदाज कर काम किया गया। अब भाजपा सरकार में फिर से टायरिंग शुरू की गई। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को पूरी गुणवत्ता के साथ काम करने कहा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, नरेंद्र पाटनवार, मंजू सिंह, नारायण सिंह ठाकुर, योगेश मिश्रा, लक्ष्मण श्रीवास, प्यारेलाल साहू, देवेंद्र गोस्वामी, एचके डेनियल, तुषार मानसर, लाल सिंह, सोनाराम पटेल, शंकर मांझी सहित बड़ी संख्या में वॉर्डवासी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का भूमिपूजन करते श्री देवांगन एवं अन्य।

परिवार की तरह वार्ड की सेवा करना उद्देश्य: नरेंद्र

इस दौरान वॉर्ड पार्षद नरेंद्र देवांगन ने कहा कि मंत्री लखन लाल देवांगन का एक ही उद्देश्य है कि परिवार की तरह वार्ड और शहर की सेवा करें। वार्ड क्रमांक 16 का हर एक घर मेरा परिवार है, पार्षद नरेंद्र देवांगन ने कहा कि अब थोड़ा थोड़ा काम करने की स्थिति खत्म हो चुकी है। अब हर वार्ड में अधिक से अधिक कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं।

इन कार्यों का रखी गई आधारशिला

वॉर्ड क्रमांक 16 में आरसीसी नाली एवं सीसी रोड का निर्माण कार्य 30 लाख, जोगियाडेरा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य 10 लाख, महंत मोहल्ला पीपरपारा में कबीर चौरा के पास बाउंड्री वाल व चबूतरा निर्माण कार्य 5 लाख कुल 45 लाख के कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

करंट की चपेट में आने से पति और पत्नी की मौत

मृत दंपति।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

आदर्श नगर कुसमुंडा में पति और पत्नी की करंट लगने से मौत हो गई है। तार में कपड़े सूखाने के दौरान पत्नी करंटी चपेट में आई तो पत्नी को करंट में चिपके देखकर पति उसे बचाने दौड़ा और वह भी करंटी चपेट में आ गया। इस हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई, हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र के मनगांव रोड आदर्श नगर की है। यहां निवासरत मूलतः ओडिशा निवासी दुर्योधन महंता और भारती महंता के साथ यह हादसा हुआ है। शनिवार की सुबह 11-12 बजे के आसपास भारती महंता घर के आंगन में कपड़े सूखाने के लिए घर में खींचे गए तार पर गीले कपड़े सुखा रही थी कि इस दौरान उसे करंट का झटका लगा और वह चिपक गई। उसे इस हालत में देखकर पति दुर्योधन महंता दौड़ते हुए पहुंचा और पत्नी को असावधानी पूर्वक बचाने के चक्कर में वह भी करंट की चपेट में आ गया। इस हादसे में झूलसे पति और पत्नी दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां परीक्षण उपरांत चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्योधन व भारती का एक 8 वर्षीय पुत्र है जो हादसे के बाद अनाथ हो गया है। मौत से स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। कुसमुंडा पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई कर उनके ओडिशा निवासी परिजनों को भी सूचना दे दी है।

खास बात

- कपड़ा सुखा रहबी पत्नी को करंट से बचाने दौड़ा पति भी आया चपेट में

गौठान में मवेशियों की मौत का मामला आया सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत सैला में बनाए गए गौठान में आवारा मवेशियों को रखे जाने के बाद चारे पानी की सुविधा नहीं होने की स्थिति में कुछ मवेशियों के मरने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम पंचायत के द्वारा आवारा मवेशियों से फसलों को बचाने के लिए गौठान में रखा गया था।

इस मामले के अनुसार ग्राम पंचायत सैला में ग्रामीणों की धान की फसल को आवारा मवेशियों से बचाने के लिए गौठान में रखा गया था। जहां चारे पानी की व्यवस्था पंचायत के द्वारा नहीं की। गेट में ताला लगा दिया गया था। चारे पानी की व्यवस्था नहीं होने से कुछ मवेशियों की मौत हो गई है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार फसलों से बचाने के लिए मवेशियों को रखा गया था। इस घटना की जानकारी जनपद पंचायत के सीईओ से लेकर एसडीएम तक के संज्ञान में नहीं है। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अपने स्तर पर इसकी जानकारी ली है। घटना को लेकर पाली जनपद पंचायत के सीईओ भूपेंद्र सोनवानी और तहसीलदार श्री केशकर से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया किंतु उन्होंने कॉल रिसिव नहीं किया।

खास बात

- ग्राम पंचायत सैला के गौठान की घटना

गौठान जहां हुई मवेशियों की मौत।

मृत मवेशी।

एक मवेशी की मौत हुई है

घटना की जानकारी होने के बाद उन्होंने क्षेत्र के हल्का पटवारी को उस स्थल में भेजा था जहां एक मवेशी की मौत होने की जानकारी समाने आई है।

-सूर्यकांत केशकर, तहसीलदार पाल

उनके संज्ञान में नहीं है

इस घटना की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं आई है। वह भी अवकाश में है। अधिनस्थ कर्मचारियों से इसकी जानकारी ली जाएगी।

-सीमा पात्रे, पाली एसडीएम

स्कूली बच्चों से भरी स्कॉर्पियो जा घुसी ज्वेलर्स की दुकान में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

स्कूल से छुट्टी के बाद बच्चों को घर लेकर आ रहे स्कार्पियो वाहन जैसे ही जय स्तम्भ चौक के समीप पहुंचा अचानक ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक नहीं लगने पर वाहन को सड़क से नीचे उतार दिया और तेज रफ्तार स्कार्पियों सड़क किनारे एक ज्वेलरी शॉप में जा घुसा। घटना का सूखद पहलू यह रहा कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। अन्यथा किसी बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता था।

कटघोरा जय स्तम्भ चौक में एक बड़ा हादसा चालक की सूझबूझ से टल गया और अनहोनी होने से बचा लिया गया। कटघोरा थाना के जय स्तंभ चौक पर यह हादसा हुआ। रोज की तरह शनिवार की दोपहर स्कूल की छुट्टी होने के बाद स्कार्पियों का चालक बच्चों को लेकर उनके घर लौट रहा था। स्कार्पियों में करीब 15 स्कूली बच्चे सवार थे। स्कार्पियों जैसे ही जयस्तंभ चौक के पास पहुंची कि इसी दौरान अचानक गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया। इसी वक्त सामने खड़ी ट्रक नजर आई और गाड़ी का ब्रेक नहीं लगने से हड़बड़ाये चालक ने एकाएक गाड़ी को सड़क से नीचे उतार दिया। तेज रफ्तार स्कार्पियों सड़क किनारे स्थित एक ज्वेलरी शॉप में जा घुसी। दुकान में मौजूद लोगों सहित गाड़ी के अंदर मौजूद बच्चों में चीख-पुकार मच गयी। स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। देवयोग से इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि स्कार्पियों का चालक सूझबूझ से गाड़ी को सड़क से नीचे नहीं उतारता, तो भारी वाहन से टक्कर होने पर बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की जानकारी मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और कार्यवाही में जुट गई।

खास बात

- ब्रेक फेल होने के बाद चालक की सूझबूझ से बाल बाल बचे बच्चे

ज्वेलरी शॉप में घुसी स्कार्पियो वाहन एवं घटना स्थल पर जुटी भीड़।

ग्राम बतारी से आबकारी विभाग की टीम ने जब्त की महुआ शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्राम बतारी में एक व्यक्ति के मकान की बाड़ी से आबाकारी विभाग की टीम ने छापामार कार्यवाही करते हुए 16 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। वहीं गांव के एक दूसरे मकान से भी 19 लीटर महुआ शराब व 25 किलो ग्राम महुआ लहान जब्त किया गया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश और सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमती आशा सिंह के मार्गदर्शन में 18 अक्टूबर को को आबकारी उपनिरीक्षक डॉ.सुकांत पांडेय द्वारा मुखबिर से मिली सूचना पर दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बतारी निवासी रोहित अगरिया पिता केलानसाय के मकान की बाड़ी की तलाशी लेने पर आबकारी विभाग की टीम ने 16 लीटर महुआ शराब बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) (क), 34(2) 59(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। इसी तरह बतारी गांव में ही निवासरत राजकुमारी पति मोहित राम अगरिया के आँगन एवं बाडी की तलाशी लेने पर 19 लीटर महुआ शराब एवं जमीन में गड्ढा खोदकर गड़ाया हुआ 25 किग्रा महुआ लाहान बरामद किया गया। राजकुमारी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) (क,च), 34(2) 59 (क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर लेकर जेल दाखिल कराया गया। उक्त कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक सिमोन मिंज, नगर सैनिक प्रजेश सिंह, अंबिका सांडे का योगदान रहा।

खास बात

- मुखबीर से मिली सूचना पर आबकारी विभाग वृत दीपका की कार्यवाही

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

कांग्रेस सरकार के समय पूर्व मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा

माइनिंग डिप्लोमा कॉलेज शुरु होने की योजना ठंडे बस्ते में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पाली विकासखंड में कांग्रेस सरकार के समय पूर्व मुख्यमंत्री के द्वारा घोषित की गई माइंनिंग डिप्लोमा कॉलेज की योजना ठंडे बस्ते में चली गई है। उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग के द्वारा इस संबंध में अभी तक कोई भी जानकारी जिला प्रशासन को नहीं भेजी गई है। कोयला क्षेत्र होने के कारण माइनिंग ट्रेड की डिमांड जिले के आईटी कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित इंजीनियरिंग कॉलेज में बनी हुई है।

माइनिंग ट्रेड को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा शाससन स्तर पर पत्र व्यवहार कर जिले के इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रारंभ किए जाने के संबंध में प्रस्ताव रखा गया था। यहां तक की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में भी माइनिंग ट्रेड को लेकर यहां के प्रबंधन ने भी तकनीकी शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था तमाम प्रयासों के बावजूद जिले में चल रहे पुराने तीनों तकनीक माइनिंग ट्रेड शुरु नहीं हो सका। प्रदेश में पूर्व कांग्रेस सरकार के समय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब अपने पाली प्रवास पर आये थे तो क्षेत्र की जनप्रतिनिधियों ने उच्च शिक्षा की दरकार बताते हुए एवं एसईसीएल क्षेत्र का हवाला देते हुए पॉलिटेक्निक, माइनिंग कॉलेज शुरु करने की मांग रखी थी और उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर इसकी घोषणा भी की। घोषण के बाद कॉलेज के लिए जमीन और भवन तलाशने का काम प्रशासनिक स्तर पर शुरु हुआ था किंतु सरकार बदलने के बाद से इस दिशा पर न तो राज्य शासन की ओर से कोई पत्र जिला प्रशासन को मिला और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए पत्र व्यवहार का जवाब दिया गया। हाल ही में दिल्ली में आहूत की गई कोल एडवाइजरी कमेटी में सांसद ज्योत्सना महंत ने कोरबा में माइनिंग कॉलेज खोले जाने का मुद्दा उठाया है। इससे अब कोरबा में अब माइनिंग कॉलेज की मांग अब बलवती हो गई है।

पत्र व्यवहार किया गया है

पूर्व मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी और सांसद ज्योत्सना महंत ने भी दो दिन पूर्व दिल्ली में संपन्न हुई कोल एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कोरबा में माइनिंग कॉलेज लगाने का मुद्दा उठाया है।

-प्रशांत मिश्रा,
महामंत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सब स्टेशन को केसला में स्थापित करने रखी मांग

कोरबा। भिलाई बाजार के जनप्रतिनिधियों ने उमेंदीभाठा के बिजली सब स्टेशन को ग्राम पंचायत केसला में शिफ्ट करने की मांग की है। समाजसेवक प्रदीप जायसवाल, जनपद सदस्य दुर्गा पाटले के साथ सरपंचों ने इस संबंध में कलेक्टर को पत्र लिखा है। उनका कहना है कि एसईसीएल खदान की वजह से उमेंदीभाठा सब स्टेशन को शिफ्ट किया जाना है। इस सब स्टेशन से करीब 45 पंचायतों में बिजली आपूर्ति होती है, लेकिन पता चला है कि मोहरियामुंडा में स्थल का चयन किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को परेशानी होगी। केसला में सब स्टेशन शिफ्ट होने पर लोगों को सुविधा होगी। उन्होंने मांग की कि सब स्टेशन में दो कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाए।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लैंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी.मढ़रिया डायरेक्टर MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. एश्वर्य मढ़रिया को-डायरेक्टर MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा ● OCT द्वारा रेटिना व कॉचबिन्द का जांच व ईलाज
डॉ. एल.सी. मढ़रिया
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के पीछे, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 19,500/-
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
By Train-रिजर्वेशन कोच
27 अप्रैल से 10 मई 2025, 02 मई से 15 मई 2025
8 मई से 21 मई 2025, 13 मई से 26 मई 2025
चार धाम यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें - 7354411411
राशि:-स्लीपर-19,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411